Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 01 June 2026 ● Year : 05 ● Issue : 136 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

PM SVANidhi

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना

₹15,000 से ₹50,000 तक का बिना गारंटी लोन देने की योजना



पिछले 6 सालों में...

- **75+ लाख** स्ट्रीट वेंडर्स को मिले **₹17,800+ करोड़** के लोन
- **₹9 लाख करोड़** के **841+ करोड़** डिजिटल लेन-देन हुए
- **95%** स्ट्रीट वेंडर्स को जीवन में पहली बार बैंक से मिला लोन
- योजना की लाभार्थियों में करीब **46%** महिलाएं
- लाभार्थियों को **₹800 करोड़** का डिजिटल कैशबैक और ब्याज सब्सिडी



अधिक जानकारी के लिए विजिट करें - pmsvanidhi.mohua.gov.in

CBC 44101/13/0002/2627

BRIEF NEWS

महावीर मंदिर के गेट पर मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

RANCHI : राजधानी रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र में रविवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। हिनू रजिस्ट्री ऑफिस के समीप स्थित महावीर मंदिर के मुख्य गेट पर युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। मृतक की पहचान लोअर हिनू निवासी सोनू कुमार उर्फ पांडु के रूप में हुई है। वह स्वर्गीय रमेश लोहरा के पुत्र थे। परिजनों के अनुसार सोनू के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। परिवार में उनकी मां पिंकी देवी और तीन भाई-बहन हैं।

परिवहन विभाग ने दिया निर्देश, राजस्व प्राप्ति का हासिल करें लक्ष्य

RANCHI : परिवहन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करने को लेकर सभी प्रमंडलीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों को वार्षिक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया है। विभाग ने कहा है कि राजस्व संग्रह बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करते हुए निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में हासिल किया जाए। इस संबंध में परिवहन सचिव की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि वाहन कर एवं अन्य मदों से संबंधित राजस्व वसूली के लिए अधिकारियों और कर्मियों के बीच कार्यों का स्पष्ट बंटवारा किया जाए। साथ ही कार्ययोजना के अनुरूप नियमित कार्रवाई और साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि राजस्व संग्रह की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा सके।

मुक्ति संस्था ने 36 अज्ञात शवों का किया अंतिम संस्कार

RANCHI : रविवार को सामाजिक संस्था मुक्ति ने पूरे धार्मिक विधि-विधान और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ 36 अज्ञात लोगों के शवों का अंतिम संस्कार जुमार नदी तट पर कराया। समाज और परिवार से बिछड़ चुके इन शवों को संस्था के सदस्यों ने अपना मानकर सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह मुक्ति संस्था के सदस्य रिम्स के मोर्चरी पहुंचे। वहां रखे गए 36 अज्ञात शवों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत बाहर निकालकर सुरक्षित रूप से जुमार नदी तट तक ले जाया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक परंपराओं के अनुसार सभी शवों का अंतिम संस्कार किया गया। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था वर्षों से इस सेवा कार्य में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि अब तक संस्था द्वारा 2189 अज्ञात शवों का सम्मानजनक अंतिम संस्कार किया जा चुका है। उनका कहना है कि हर व्यक्ति को मृत्यु के बाद सम्मानपूर्वक विदाई मिलनी चाहिए, चाहे उसकी पहचान हो या नहीं।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर दूर होंगी सभी प्रकार की शंकाएं

वोटर लिस्ट के एसआईआर से संबंधित प्रश्नोत्तर पुस्तिका का पहला भाग जारी

बीएलओ और अन्य पक्षों को उपलब्ध हो सकेगी प्रक्रिया की स्पष्ट व सही जानकारी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित प्रश्नोत्तर पुस्तिका का पहला भाग जारी किया है। इसमें आम लोगों, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ), राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा अन्य हितधारकों द्वारा पूछे जा रहे 30 प्रमुख सवालों और उनके जवाबों को शामिल किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जिज्ञासाओं और शंकाओं को ध्यान में रखते हुए यह पुस्तिका तैयार की गई है। इसका उद्देश्य मतदाताओं, बीएलओ और अन्य संबंधित पक्षों को प्रक्रिया की स्पष्ट और सही जानकारी उपलब्ध कराना है। पुस्तिका में 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग, दस्तावेजों की आवश्यकता, गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया, दावा-आपत्ति, नए मतदाताओं के पंजीकरण, महिलाओं, प्रवासी श्रमिकों तथा कमजोर वर्गों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि झारखंड में अंतिम गहन पुनरीक्षण वर्ष 2003 में हुआ था। इसलिए वर्तमान मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं का मिलान 2003 की सूची से किया जा रहा है। यदि किसी मतदाता, उसके माता-पिता, दादा-दादी या नाना-नानी का नाम उस सूची में मिलता है, तो उसकी नागरिकता की पूर्व पुष्टि मानी जाएगी और उसे अतिरिक्त दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे मतदाता को केवल गणना प्रपत्र भरकर जमा करना होगा। आयोग के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति का नाम 2003 की सूची में नहीं मिलता है, तो उसका नाम तत्काल मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा। उसे दावा एवं आपत्ति अवधि में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। निर्वाचन विभाग ने दोहराया है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य किसी पात्र मतदाता का नाम हटाना नहीं, बल्कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाना है।



एसआईआर पर कुछ प्रमुख सवाल-जवाब

2026 की मतदाता सूची के मतदाताओं का 2003 की एसआईआर मतदाता सूची से मैपिंग क्या है?

उत्तर : मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए देश में अब तक लगभग 10 बार गहन पुनरीक्षण (इंटेंसिव रिवीजन) किया जा चुका है। झारखंड में अंतिम गहन पुनरीक्षण वर्ष 2003 में हुआ था। यदि किसी मतदाता का नाम उस सूची में दर्ज है, तो यह उसकी भारतीय नागरिकता के पूर्व सत्यापन का आधार माना जाता है। इसी कारण वर्तमान मतदाता सूची का मिलान 2003 की सूची से किया जा रहा है। बीएलओ मतदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह मैपिंग करेंगे। जिन मतदाताओं की मैपिंग सफलतापूर्वक हो जाएगी और जिनके रिकॉर्ड में कोई विसंगति नहीं होगी, उन्हें गणना प्रपत्र के अलावा कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

यदि किसी मतदाता की 2003 की सूची से मैपिंग हो गई है, तो क्या उसे दस्तावेज जमा करने होंगे?

उत्तर : नहीं, जिन मतदाताओं की स्वयं या पैतृक आधार पर मैपिंग हो चुकी है, उन्हें गणना चरण के दौरान किसी अतिरिक्त दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें केवल सही ढंग से भरा हुआ और हस्ताक्षरित गणना प्रपत्र तथा हालिया फोटो बीएलओ को उपलब्ध करानी होगी।

नशा का सेवन हर तरह से नुकसानदायक, अभियान निदेशक ने कहा-

तंबाकू मुक्त झारखंड बनाने के लिए सामूहिक भागीदारी करें सुनिश्चित

» दंत चिकित्सक बनेंगे तंबाकू नियंत्रण के अग्रिम योद्धा, एनएचएम ने बनाई रणनीति

» विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता 2 लाख से अधिक लोगों को मिला परामर्श

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व तंबाकू निषेध दिवस-2026 के अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) झारखंड द्वारा आईपीएच में राज्य स्तरीय कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों को मजबूत करना, विभिन्न विभागों और हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करना तथा स्वस्थ व तंबाकू मुक्त झारखंड के निर्माण के लिए सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करना था। एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने धुएं से आजादी शीर्षक से प्रेरणादायक कविता प्रस्तुत कर युवाओं को तंबाकू और अन्य नशा से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तंबाकू सेवन केवल स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से भी नुकसानदायक है। उन्होंने तंबाकू नियंत्रण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता पर बल दिया।

एमडी ने बताया कि झारखंड में हर वर्ष लगभग 35 से 40 हजार कैंसर मरीजों की पहचान होती है। इनमें 40 से 45 प्रतिशत मामले मुख कैंसर के होते हैं। तंबाकू सेवन मुंह के कैंसर का प्रमुख कारण है और जागरूकता के माध्यम से इस चुनौती पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है, मानसिक स्वास्थ्य को कमजोर बनाता है और परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल असर डालता है।



दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत करते एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा व अन्य ● फोटोन न्यूज

प्रत्येक दंत चिकित्सा इकाई को बनाएं तंबाकू त्याग परामर्श केंद्र

उन्होंने दंत चिकित्सकों को तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की अग्रिम पंक्ति का योद्धा बताते हुए प्रत्येक दंत चिकित्सा इकाई को तंबाकू त्याग परामर्श केंद्र के रूप में विकसित करने की बात कही। साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को स्वास्थ्य संवर्धन और तंबाकू त्याग सेवाओं के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। इस दौरान बताया गया कि राज्य के 1680 स्कूलों में तंबाकू जागरूकता अभियान चलाया गया है। वहीं पुलिस, शिक्षा एवं अन्य विभागों के सहयोग से 282 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। राज्यभर में 2,08,701 लोगों को तंबाकू त्याग परामर्श (टीटीसी काउंसलिंग) और 43,308 लोगों को फामाकोथेरेपी सेवाएं प्रदान की गईं।

तीन तकनीकी सत्र किए गए आयोजित

कार्यशाला के अंतर्गत तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें तंबाकू से होने वाले मुख कैंसर, मानसिक स्वास्थ्य, नशामुक्ति परामर्श और सामुदायिक जागरूकता से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से भी तंबाकू और नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। एमडी शशि प्रकाश झा ने सभी अधिकारियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और प्रतिभागियों को तंबाकू निषेध की शपथ दिलाई।

अनीता देवी हत्याकांड में भाजपा ने सरकार पर लगाए आरोप, मुख्य सरगना की गिरफ्तारी की मांग



PHOTON NEWS RANCHI : बोकारो जिले के बेरमो क्षेत्र में चार माह की गर्भवती महिला अनीता देवी की कथित निर्मम हत्या को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के प्रदेश महामंत्री अमर बाउरी ने रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि इस मामले में हुई छह गिरफ्तारियां पर्याप्त नहीं हैं और घटना के मुख्य सरगना की तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार, जिला प्रशासन, पुलिस अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के स्तर पर मामले को दबाने और प्रभावित करने का प्रयास किया गया। भाजपा के आंदोलन और बोकारो चक्का जाम के अल्टीमेटम के बाद ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भाजपा ने पीड़ित परिवार को 25 लाख रुपये मुआवजा देने, घटना में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पोस्टमार्टम प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले मेडिकल कर्मियों पर भी कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पार्टी ने बोकारो के डीसी, एसपी और संबंधित थाना अधिकारियों की भूमिका की जांच कराने की भी मांग उठाई है। अमर कुमार बाउरी ने कहा कि भाजपा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पूरी ताकत से उनके साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि पार्टी प्रतिनिधिमंडल एक जून को फिर पीड़ित परिवार से मुलाकात करेगा।

■ जिला प्रशासन, पुलिस अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मामले को दबाने का किया प्रयास

पुरानी रंजिश में हुई थी तनवीर की हत्या, पुलिस ने आरोपियों को दबोचा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र में सनसनी फैला देने वाले तनवीर अंसारी हत्याकांड की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान जावेद अख्तर और मोहम्मद इजाज के रूप में हुई है। वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल (बुलेट) के लोहे के लेग गार्ड को भी बरामद कर लिया गया है, जिससे इस खूनी खेल को अंजाम दिया गया था।

सूत्रों के अनुसार 26 मई को फिरदौस नगर (मनीटोला) की रहने वाली खतीजा खातून ने डोरंडा थाने में एक शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक,उनके पति तनवीर अंसारी के साथ कुछ लोगों ने बेरहमी से मारपीट की थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए तत्काल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई थी। तनवीर की मौत के बाद पुलिस ने मामले को हत्या की धाराओं में तब्दील कर अपनी जांच तेज कर दी थी।

थाना प्रभारी दीपिका ने रविवार को पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि शुरूआती जांच में हत्या की वजह दोनों परिवारों के बीच चल रहा पुराना विवाद सामने आया है। तनवीर अंसारी और मुख्य आरोपी जावेद अख्तर के परिवारों में लंबे समय से तनाव था और इससे पहले भी दोनों पक्षों में कई बार हिंसक झड़पें और कहासुनी हो चुकी थी।

एनएसएस ने निकाली जागरूकता रैली

RANCHI : रांची विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर रविवार को एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली प्रातः विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर से शुरू होकर अल्बर्ट एक्का चौक, शहीद चौक, विश्वविद्यालय मुख्यालय मुख्य द्वार होते हुए पुनः विश्वविद्यालय परिसर तक निकाली गयी। रैली का उद्देश्य तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन का आदिवासियों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ने देंगे : बंधु तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : रांची प्रेस क्लब सभागार में रविवार को परिसीमन का आदिवासी समाज पर प्रभाव और संभावित समाधान विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, कानूनी विशेषज्ञों और विभिन्न आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया एवं परिसीमन के संभावित प्रभावों पर गंभीर मंथन किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व मंत्री और झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड में लोकसभा एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का आदिवासी समाज पर कोई भी नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि परिसीमन की प्रक्रिया के माध्यम से अनुसूचित जनजातियों के लिए सुरक्षित सीटों की संख्या में कटौती करने का कोई प्रयास किया गया तो उसका पुरजोर लोकतांत्रिक विरोध किया जाएगा।



सेमिनार में संबोधित करते बंधु तिर्की ● फोटोन न्यूज

परिचर्चा में वक्ताओं ने कहा कि परिसीमन को केवल निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया के रूप में नहीं देखा जा सकता। झारखंड जैसे आदिवासी बहुल राज्य में यह विषय सीधे-सीधे अनुसूचित जनजातियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संवैधानिक अधिकारों, पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों की सुरक्षा और लोकतांत्रिक भागीदारी से जुड़ा हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने श्रीनगर पहुंची टीम

RANCHI : ताइक्वांडो संघ रांची जिला की 21 सदस्यीय टीम प्रथम प्रोफेशनल ताइक्वांडो फेडरेशन इंडिया ओपन अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता-2026 में भाग लेने के लिए रविवार को श्रीनगर पहुंच गई। देश-विदेश के खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में रांची के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे। रांची जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव मिथलेश कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन 29 मई से दो जून तक श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भारत सहित विभिन्न देशों के लगभग 600 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

पूछताछ रांची के धुर्वा से रहस्यमय तरीके से शनिवार को हुई थीं गायब

लापता मां-बेटी आरा से बरामद, फिरौती के लिए आया था कॉल

■ परिजनों ने तलाश के लिए पोस्टर भी किए थे जारी



सुनीता देवी



काजल कुमारी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के धुर्वा क्षेत्र से रहस्यमय तरीके से लापता हुई मां-बेटी को पुलिस ने बिहार के आरा जिले से सकुशल बरामद कर लिया है। लेकिन इस बरामदगी के बाद कई तरह की आशंकाएं एवं सवाल पैदा हो गए हैं। पुलिस के लिए भी यह पहेली बनी हुई है। हालांकि जल्द ही मामले में पर्दा उठ जाएगा। दरअसल दोनों के गायब होने के बाद परिजनों से एक लाख रुपये की फिरौती मांगी गई थी। आखिर वह फिरौती मांगने वाला कौन था एवं मां-बेटी आरा कैसे पहुंच गईं... पुलिस पूरे घटनाक्रम की गहन जांच कर रही है। झारखंड पुलिस में कार्यरत सुधीर कुमार सिंह की पत्नी सुनीता देवी और उनकी 19 वर्षीया बेटी काजल कुमारी शनिवार को अचानक लापता हो गई थीं। दोनों के एक साथ गायब होने से परिवार में हलचल मच गया। चिंता बढ़ गई। परिजनों ने उनकी तलाश के लिए पोस्टर भी जारी किए थे और लोगों से सूचना देने की अपील की थी। इस संबंध में सुधीर कुमार सिंह ने धुर्वा थाना में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने शिकायत मिलते ही जांच शुरू कर दी और दोनों की तलाश के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए गए। मामले में नया मोड़ तब आया, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर सुधीर कुमार सिंह और उनके बेटे से एक लाख रुपये की फिरौती की मांग की। लगातार आ रहे इन फोन कॉल्स ने मामले को अपहरण की आशंका से जोड़ दिया। पुलिस अब उस मोबाइल नंबर की तकनीकी जांच कर रही है, जिससे फिरौती की मांग की गई थी। हटिया पुलिस उपाधीक्षक नीरज कुमार ने रविवार को बताया कि मां-बेटी को बिहार के आरा जिले से सुरक्षित बरामद कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में अपहरण की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दोनों किन परिस्थितियों में रांची से आरा पहुंचीं और इस पूरे घटनाक्रम के पीछे क्या कारण थे। जांच में यह भी पता चला है कि हाल के दिनों में मां और बेटी साइबर ठगी का शिकार हुई थीं। साइबर अपराधियों ने उन्हें ब्लैकमेल कर लगभग 80 हजार रुपये ठग लिए थे। पुलिस इस पहलू को भी जांच के दायरे में रख यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं इस घटना का संबंध साइबर अपराधियों या किसी अन्य संगठित साजिश से तो नहीं है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मां-बेटी के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और सभी तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। फिलहाल दोनों सुरक्षित हैं और मामले की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी।

अभिषेक को बेहतर इलाज के लिए झारखंड भेजने का किया आग्रह

RANCHI : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने सांसद अभिषेक बनर्जी के घायल होने की खबर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह घटना अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि यदि किसी राजनीतिक दबाव, भय या प्रतिकूल माहौल के कारण अभिषेक बनर्जी को समुचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पाई है या उनके उपचार में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न हुई है तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि की सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य के साथ समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

झारखंड में कर्मचारी प्रोफाइल अपडेट करने के लिए बनाई गई नई व्यवस्था

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने वेतन विपत्र प्रसंस्करण प्रणाली के तहत सरकारी कर्मचारियों की प्रोफाइल अपडेट करने की नई व्यवस्था लागू की है। वित्त विभाग की ओर से जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार अब कर्मचारी सेवा विवरण और वेतन संबंधी जानकारियों के संशोधन के लिए निर्धारित ऑनलाइन प्रक्रिया अपनानी होगी।

नई व्यवस्था के तहत कर्मचारी प्रोफाइल को दो भागों में विभाजित किया गया है। पहले भाग में कर्मचारी की स्थायी और मूलभूत जानकारी जैसे जीपीएफ नंबर, नाम, जन्मतिथि, नियुक्ति तिथि, सेवानिवृत्ति तिथि, आधार संख्या, पैन, मोबाइल नंबर, श्रेणी, लिंग और नामिनी से संबंधित विवरण शामिल रहेंगे। इन जानकारियों में संशोधन के लिए कर्मचारी को ऑनलाइन आवेदन देना होगा, जिसे संबंधित डीडीओ के माध्यम से पेंशन एवं लेखा निदेशालय भेजा जाएगा। अंतिम स्वीकृति के बाद ही बदलाव किया जा सकेगा। दूसरे भाग में पदस्थापन और वेतन से जुड़ी जानकारी रखी जाएगी। इसमें पदनाम, पदस्थापन स्थल, मूल वेतन, वेतनमान, वेतन स्तर, ई-मेल और बैंक खाते का विवरण शामिल होगा। इन सूचनाओं में संशोधन के लिए कर्मचारी ऑनलाइन अनुरोध कर सकेंगे, जिसे डीडीओ की स्वीकृति के बाद अपडेट कर दिया जाएगा।

संशोधन की जानकारी कर्मचारी को संदेश के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जाएगी।

Ranchi ● Monday, 01 June 2026 ● Year : 05 ● Issue : 136 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi



'विराट' विजय

गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर बनाए 155 रन, कोहली के नाबाद 75 रनों की बदौलत बेंगलुरु ने 18 ओवर में बना लिए 161 रन

लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियन बना बेंगलुरु

AGENCY @ AHMEDABAD : रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरी बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जीत लिया। टीम ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हरा दिया। बेंगलुरु ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। जवाब में विराट कोहली के नाबाद 75 रनों की बदौलत बेंगलुरु ने 18 ओवर में 161 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की शुरूआत अच्छी नहीं रही। गुजरात ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 155 रन बनाए। टीम के लिए सुंदर ने नाबाद 50 रनों की पारी खेली। कप्तान शुभमन गिल (12) और साई सुदर्शन (10) जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद निशांत सिंधु (20), जोस बटलर (19), अरशद खान (15) और राहुल तेवतिया (7) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। बेंगलुरु के लिए रसिख सलाम ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट चटकाए।

सूर्यवंशी को ऑरेंज कैप : 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। सूर्यवंशी ने 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज के सबसे ज्यादा रन हैं।

SARAFA

सोना	:	14,545
चांदी	:	290.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

हिमाचल प्रदेश में हादसा आठ टूरिस्ट की मौत

CHAMBA : हिमाचल प्रदेश के चंबा के 'बैरागढ़-साच पास-किलाड़' मार्ग पर शुक्रवार रात एक गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होने से दो बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इसमें बेंगलुरु से आए टूरिस्ट सवार थे। इनकी गाड़ी सड़क से करीब 500 मीटर नीचे गहरी खाई में गिरी। शनिवार दोपहर बाद हादसे की सूचना मिली। तब जाकर स्थानीय प्रशासन को सूचित किया गया। मगर अति दुर्गम क्षेत्र, खड़ी व खतरनाक पहाड़ी और खराब मौसम की वजह से शवों को खाई से बाहर नहीं निकाला जा सका। इसके बाद शवों को खाई से निकालने के लिए रविवार को अभियान चलाया गया। शवों को ह्यूमन चेन बनाकर और रस्सी के सहारे निकाला गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मणिपुर में फायरिंग और आगजनी, जले पांच घर

IMPHAL : मणिपुर के कांगपोकपी जिले के खराम वैफेई गांव के पास अज्ञात सशस्त्र बदमाशों द्वारा फायरिंग की घटना से इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने रविवार को जानकारी दी कि घटना के दौरान गांव के पांच कच्चे मकानों में आग लगा दी गई, जिससे वे पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही जिला पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और संयुक्त अभियान चलाकर स्थिति को नियंत्रित किया। समय रहते कार्रवाई के कारण स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सका। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड में पीएम ने कई मुद्दों पर की चर्चा

गर्मी व लू से बचने के लिए पीते रहें पानी और देसी पेय, खुद का रखें ध्यान : मोदी

NEW DELHI @ PTI : रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड का प्रसारण हुआ। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने वर्तमान भीषण गर्मी के दौर को लेकर कहा कि इस समय देश के अधिकतर हिस्सों में बहुत गर्मी पड़ रही है। तेज धूप, गर्म हवाएं, ऐसे मौसम में अपना ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ऐसी स्थिति से बचने के लिए पानी और देसी पेय पीते रहिए। धूप में अगर निकलना ही पड़े तो थोड़ा संभल कर निकलें। इस दिशा में सरकार के भिन्न-भिन्न विभाग ने जो गाइडलाइंस जारी की है। इसका जरूर पालन कीजिए। मोदी ने कहा कि हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है, रसोई का प्रकार बदल जाता है।

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे बदल जाता है घर की रसोई का स्वाद



घर से बाहर निकलते समय सरकार की ओर से जारी गाइडलाइंस का करें पालन

नेशनल एथलेटिक्स टूर्नामेंट का जिक्र

पीएम ने कार्यक्रम में देश के दो चर्चित एथलीट की भी जिक्र किया। पीएम ने कहा- एक इवेंट जिसकी देशभर में बहुत चर्चा हो रही है, वह है 100 मीटर की रेस। महज दो दिनों के भीतर मेंस 100 मीटर रेस में नेशनल रिकॉर्ड तीन बार टूटा। जिन दो एथलीट्स ने ये कमाल दिखाया है वे हैं- गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर। गौरतलब है कि गुरिंदरवीर सिंह ने 23 मई को रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप सीनियर नेशनल एथलेटिक्स टूर्नामेंट की पुरुषों की 100 मीटर रेस 10.09 सेकेंड में पूरी की। वे भारत के सबसे तेज धावक बने। गुरिंदरवीर ने अपने प्रतिद्वंद्वी अनिमेष कुजूर को पीछे छोड़ा। पहले यह रिकॉर्ड अनिमेष के नाम था। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में अपनी नीदरलैंड यात्रा की चर्चा करते हुए कहा कि बीते दिनों यूरोप के नीदरलैंड्स जाने का अवसर मिला। इसी दौरान एक ऐसा क्षण आया जिसने हर भारतीय को गर्व से भर दिया।

अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार पर खर्च की जाएगी राशि

स्वास्थ्य योजनाओं के लिए ₹40 करोड़ आवंटित, कैंसर के इलाज पर फोकस

PHOTON NEWS RANCHI : वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के संचालन के लिए हेमंत सरकार ने 40 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, इस राशि का उपयोग गंभीर बीमारियों के इलाज, मुफ्त जांच सुविधाओं और कैंसर स्क्रीनिंग जैसी योजनाओं को मजबूत बनाने में किया जाएगा। आवंटित राशि से मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क डायग्नोस्टिक एवं रेडियोलॉजी जांच योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क सर्वाइकल एवं ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग योजना तथा मुख्यमंत्री कालाजार उन्मूलन योजना का संचालन किया जाएगा।

साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ व दुमका में कालाजार उन्मूलन योजना के तहत चलाया जाएगा अभियान



गिरिडीह, बोकारो, हजारीबाग, साहिबगंज और पूर्वी सिंहभूम को दो-2 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कोडरमा, चतरा, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा और लातेहार समेत अन्य जिलों को एक-एक करोड़ रुपये की राशि दी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवंटित राशि के उपयोग और खर्च की जिम्मेदारी संबंधित जिलों के सिविल सर्जन की होगी।

उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य

कालाजार उन्मूलन योजना के तहत साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़ और दुमका जिलों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। ऐसे लोग इस योजना का लाभ ले सकेंगे, जिनकी वार्षिक आय पिछले तीन वर्षों से लगातार 8 लाख रुपये से कम है। पात्र लाभार्थियों को सूचीबद्ध गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जिलावार आवंटन में रांची, धनबाद, देवघर, गोड्डा, दुमका और जामताड़ा को सबसे अधिक ढाई-ढाई करोड़ रुपये दिए गए हैं।

आसपास के गांवों पर हवाई हमलों के बाद पूरी हुई कार्रवाई

इजरायल का लेबनान के 900 साल पुराने किले पर कब्जा, फहराया झंडा

NEW DELHI @ PTI : इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में 900 साल पुराने ब्यूफोर्ट किले और आसपास की पहाड़ियों पर कब्जा जमा लिया है। इजरायली अधिकारियों की ओर से रविवार को जारी तस्वीरों और वीडियो में किले पर इजरायली झंडे लहराते दिखाई दिए। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सेना ने आसपास के गांवों में कई दिनों तक चली भीषण लड़ाई और हवाई हमलों के बाद यह कार्रवाई पूरी हुई है है। अल जजीरा के अनुसार, पिछले 26 साल में

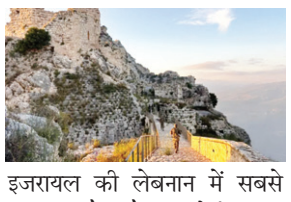

इजरायल की लेबनान में सबसे बड़ी घुसपैठ है। ब्यूफोर्ट किला 1982 से 2000 तक दक्षिणी लेबनान पर इजरायली कब्जे के दौरान उसकी सेना का एक प्रमुख सैन्य अड्डा था। 700 मीटर ऊंची पहाड़ी पर बने इस किले से दक्षिणी लेबनान के अलावा इजरायल के बड़े हिस्से पर नजर रखी जा सकती है।

अभिषेक बनर्जी पर हमले को लेकर सीएम ने जताया रोष

वैचारिक मतभेद मंजूर, लेकिन गुंडागर्दी नहीं की जा सकती बर्दाश्त : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर हुए हमलों को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा रोष जताया। उन्होंने इसकी कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने दो-टूक शब्दों में कहा कि एक स्वस्थ और प्रगतिशील लोकतंत्र में हिंसा, डर और हमलों के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। वैचारिक मतभेद मंजूर है, लेकिन गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने इस हरकत की आलोचना करते हुए घटना में संलिप्त दोषियों के खिलाफ अविलंब और सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।



अभिषेक पर अटैक केस में 5 धराए, कल्याण पर हमला

KOLKATA : पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने 5 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। ये गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर चली छापेमारी के बाद हुई। पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने हमले को साजिश बताते हुए कहा कि अगर अभिषेक ने हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी जान जा सकती थी। दूसरी ओर रविवार को पार्टी के वरिष्ठ नेट कल्याण बनर्जी पर भी हुगली में हमला हुआ, जिसमें उनके सिर पर चोट लगी है।

दिल्ली में पांच मंजिला भवन गिरा, 6 की मौत

NEW DELHI : दिल्ली के साकेत इलाके में पांच मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। पुलिस और बचाव दलों ने मलबे में दबे 12 लोगों का रेस्क्यू किया, इनमें 10 घायलों को एम्स के ट्रॉमा सेंटर में एडमिट कराया गया है। 2 लोगों की हालत गंभीर है। दक्षिणी दिल्ली जिले के डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि जिस जगह मलबा गिरा, वहां मेडिकल स्टूडेंट्स की कैंटीन थी। इसके चलते कई स्टूडेंट्स मलबे में दब गए थे। घायलों को जल्द अस्पताल पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। एनडीआरएफ, डीडीएमए, फायर सर्विस और दिल्ली पुलिस संयुक्त रूप से अभी भी राहत और बचाव अभियान चला रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हादसे वाली जगह का दौरा किया। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण करने वालों और ऐसे निर्माण को अनुमति देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सशस्त्र बलों में बदलाव के लिए संगठनात्मक सुधार पर किया जाएगा फोकस : सीडीएस



NEW DELHI @ PTI : रविवार को देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने जिम्मेदारी संभाल ली। उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। नए सीडीएस ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पचक्र अर्पित किया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों में बदलाव के लिए संगठनात्मक सुधार पर मुख्य फोकस किया जाएगा। आत्मनिर्भरता हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्रीय स्तंभ है। हम अपने सशस्त्र बलों के लिए स्वदेशी हथियारों का विकास करके उन्हें सेवा में तेजी से शामिल करेंगे। उन्होंने कहा कि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का चार्ज संभालकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

देश के तीसरे सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने संभाली जिम्मेदारी, कहा-

आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्रीय स्तंभ तेजी से बनाए जाएंगे स्वदेशी हथियार

न्यू विजन — सुरक्षित व आकर्षक पर्यटन स्थलों में शामिल करने के लिए हो रहा काम

जल्द ही मानसून टूरिज्म के जरिए झारखंड को मिलेगी नई पहचान

NIKHIL KUMAR @ RANCHI : हेमंत सरकार अब झारखंड को देश के सबसे सुरक्षित और आकर्षक मानसून पर्यटन स्थलों में शामिल करने की दिशा में काम कर रही है। पर्यटन विभाग की रणनीति है कि झारखंड को सेफेस्ट मानसून डेस्टिनेशन के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित किया जाए, ताकि बरसात के मौसम में भी बड़ी संख्या में पर्यटक राज्य का रुख करें। दरअसल, देश के कई पहाड़ी राज्यों में मानसून के दौरान भूस्खलन, सड़क धंसने और बाढ़ जैसी समस्याओं के कारण पर्यटन प्रभावित होता है। इसके विपरीत झारखंड में बड़े पैमाने पर लैंडस्लाइड की समस्या नहीं होती और अधिकतर पर्यटन स्थलों तक पहुंच अपेक्षाकृत सुरक्षित बनी रहती है। यही कारण है कि सरकार अब मानसून सीजन को पर्यटन के लिए अवसर के रूप में देख रही है। पर्यटन विभाग का मानना है कि बारिश के दिनों में झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता अपने चरम पर होती है। राज्य के प्रसिद्ध झरने, घने जंगल, पहाड़ियां, डैम और जलाशय इस मौसम में सबसे अधिक आकर्षक दिखाई देते हैं। हुंडरू, दशम, जोन्हा, लोध, पंचघाघ और हिरनी जैसे जलप्रपातों में बरसात के दौरान पानी का प्रवाह कई गुना बढ़ जाता है, जिससे इन स्थलों की खूबसूरती और निखर जाती है। नेतरहाट, पारसनाथ, पतरातू अदि घाटियां और विभिन्न ईको-टूरिज्म स्थलों में भी इस दौरान पर्यटकों की रुचि बढ़ती है। पर्यटन विभाग को उम्मीद है कि यदि मानसून टूरिज्म अभियान सफल रहा तो झारखंड केवल धार्मिक पर्यटन ही नहीं, बल्कि प्रकृति और ईको-टूरिज्म के क्षेत्र में भी देश के प्रमुख पर्यटन राज्यों में अपनी अलग पहचान बना सकेगा।

अलग तरीके से अब मानसून सीजन को बेहतर अवसर के रूप में देख रही सरकार

स्थानीय रोजगार व ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने पर किया जा रहा फोकस



पर्यटन सीजन की अवधि बढ़ाने पर जोर

सरकार की योजना केवल पर्यटन स्थलों के प्रचार तक सीमित नहीं है। इसके तहत पर्यटन सीजन की अवधि बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। अब तक झारखंड में पर्यटन का मुख्य सीजन अक्टूबर से फरवरी तक यानी लगभग पांच महीने माना जाता था। विभाग चाहता है कि इसे बढ़ाकर जुलाई से फरवरी तक किया जाए, ताकि वर्ष के अधिक समय तक होटल, रिसॉर्ट, ट्रैवल ऑपरेटर, स्थानीय बाजार और पर्यटन से जुड़े अन्य व्यवसाय सक्रिय रहें। इससे स्थानीय रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। राज्य सरकार ईको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म को भी बढ़ावा देने की तैयारी में है।

बढ़ती संभावनाओं को दर्शा रहे आंकड़े

पर्यटकों की संख्या के आंकड़े भी झारखंड में पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं को दर्शाते हैं। झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार वर्ष 2024 में राज्य में करीब 540.41 लाख घरेलू पर्यटक पहुंचे, जो 2023 के 357.76 लाख पर्यटकों की तुलना में लगभग 51 प्रतिशत अधिक है। जनवरी से नवंबर 2025 के बीच ही 531.72 लाख घरेलू पर्यटकों के आगमन का आंकड़ा दर्ज किया गया। देवघर श्रावणी मेले के दौरान हर वर्ष लगभग 50 से 55 लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं।

27वें नेवी चीफ बने एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन



रविवार को देश के 27वें नेवी चीफ यानी नौसेना प्रमुख के तौर पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने कहा कि वे अपनी जिंदगी का हर दिन नौसेना को बेहतर, मजबूत, तेज और ज्यादा असरदार बनाने में लगाएंगे, ताकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास के हितों की सेवा कर सके। उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी कि भारतीय नौसेना ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा लेवल बनाए रखे, ताकि वह देश की सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा कर सके। उन्होंने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि भारतीय नौसेना संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिस पर मेरा मुख्य फोकस होगा।

BRIEF NEWS

राज्यपाल संतोष गंगवार आज आएंगे जमशेदपुर

JAMSHEDPUR : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार 1 जून को शहर आ रहे हैं। वे यहां बारीडीह स्थित मणिपाल-टाटा मेडिकल कॉलेज के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। राज्यपाल सुबह 9.30 बजे रांची स्थित लोकभवन से सड़क मार्ग से प्रस्थान करेंगे, जबकि मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज पहुंचने का निर्धारित समय दोपहर 11.30 बजे है। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल दोपहर 1.30 बजे रांची के लिए सड़क मार्ग से ही प्रस्थान कर जाएंगे। इसे लेकर पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त राजीव रंजन ने रविवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।

मनोहरपुर में स्कूटी सीख रहे दो किशोरों की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर में रविवार को स्कूटी सीख रहे दो किशोरों की मौत हो गई। दोनों बच्चे अपने दोस्त की स्कूटी लेकर चलाना सीख रहे थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से दोनों स्कूटी समेत पुलिसा के नीचे गिर गए। मृतकों की पहचान पुराना मनोहरपुर के वतन लोहार और मनीपुर निवासी ओम सांडिल के रूप में हुई है। हादसे में दोनों किशोरों के सिर, पैर, हाथ समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को उठाकर मनोहरपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही किशोरों के परिजन और मनोहरपुर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची।

नोवामुंडी के तालाब में डूबा चौथी कक्षा का छात्र, मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी थाना क्षेत्र में रविवार को चौथी कक्षा का छात्र अनुज बरजो तोड़ेतोपा पेट्रोल पंप के पास नोंदिया तालाब में नहाने के दौरान डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। टाटा डीएवी पब्लिक स्कूल का छात्र अनुज रविवार को अनुज अपने चार अन्य साथियों के साथ तालाब में नहाने गया था। उसे तैरना नहीं आता था। अनुज को डूबता देख उसके साथी दौड़कर उसके घर पहुंचे और परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद बच्चे के मामा तालाब पहुंचे और उसे बाहर निकाला। सूचना पर टाटा स्टील की एंबुलेंस भी पहुंच गई थी।

एसबीआई के एटीएम में कार्ड फंसाकर 47,800 रुपये की ठगी

JAMSHEDPUR : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भालूबासा स्थित एसबीआई के एटीएम से साइबर ठगी का नया मामला सामने आया है। ठगों ने यहां एक व्यक्ति का एटीएम कार्ड एटीएम मशीन में फंस गया था, जिसके बाद उस व्यक्ति के बैंक खाते से 47,800 रुपये की ठगी कर ली गई। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के आद्या मंदिर रोड स्थित रेडियो मैदान निवासी कामता प्रसाद ने रविवार को प्राथमिकी दर्ज कराई। कामता प्रसाद ने पुलिस को बताया कि वह 30 मई को एटीएम से पैसा निकालने गया था।

सड़क निर्माण करा रही कंपनी के कैंप पर दहशत फैलाने की रच रहे थे साजिश

राहुल सिंह गैंग के चार अपराधी हथियार के साथ हुए गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू की जिला पुलिस ने कुख्यात राहुल सिंह गिरोह के चार सक्रिय अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी हैदरनगर थाना क्षेत्र में सड़क निर्माण करा रही एक निजी कंपनी के कैंप और वर्कशॉप पर गोलीबारी कर दहशत फैलाने तथा रंगदारी वसूलने की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने उनके पास से दो पिस्तौल, कारतूस, मिसफायर गोलियां और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसपी कपिल चौधरी ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल सिंह गिरोह के शूटर डूअर्स कंस्ट्रक्शन कंपनी के वर्कशॉप पर रात में फायरिंग कर कंपनी प्रबंधन पर रंगदारी देने का दबाव बनाने की तैयारी में हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए हुसैनाबाद के एसडीपीओ दिव्यांशु शुक्ला के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने बताए गए ठिकाने पर छापेमारी करने पहुंची। पुलिस को देखते ही अपराधी भागने लगे, लेकिन जवानों ने चारों को दबोच लिया। गिरफ्तार अपराधियों में लातेहार जिला निवासी विक्रांत सिंह उर्फ सिकराम सिंह, संतोष राम, मधुकांत प्रजापति और बिक्रम राम शामिल हैं। इनमें विक्रांत सिंह का आपराधिक इतिहास है। तलाशी के दौरान अपराधियों के पास से काले रंग का एक बैग बरामद किया गया, जिसमें 9 एमएम की दो पिस्तौल, दो कारतूस, छह मिसफायर गोलियां और एक खाली मैगजीन मिली। चारों अपराधियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों, नेटवर्क और आर्थिक सहयोग करने वालों की पहचान कर कार्रवाई में जुटी है।

बोकारो में गर्भवती महिला की हत्या मामले में 6 आरोपी अरेस्ट



BOKARO : बोकारो जिला के बेरमो थाना क्षेत्र अंतर्गत पांच नंबर धौड़ा में 29 मई की रात को हुए आपसी विवाद में गर्भवती महिला अनीता देवी उर्फ अनु की पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, रात करीब 9 बजे आपसी विवाद को लेकर मारपीट हुई थी। इस दौरान अनीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति के आवेदन पर बेरमो थाना में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में बबलू भुइयां, सुरेंद्र भुइयां, वीरेंद्र कुमार भारती, राहुल दिगार, धीरेंद्र भुइयां व राजेश कुमार शामिल हैं। आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। महिला की हत्या की खबर फैलते ही बेरमो में आक्रोश व्याप्त हो गया था। परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर प्रदर्शन किया था। इस मामले में धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो और डुमरी के विधायक जयराम महतो भी आंदोलनकारियों के समर्थन में देर रात तक सड़क पर डटे रहे।

NEWS BOX

मानगो में भगिना से मिलने गए युवक की धारदार हथियार से हत्या

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मानगो के उलीडीह ओपी क्षेत्र में रविवार की सुबह एक युवक का शव आदिवासी क्लब के पास झाड़ियों में



मिला। मृतक विकास सिंह (24) संकोसाई के रोड नंबर-2 का निवासी था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल भेज दिया। परिजनों के अनुसार विकास सिंह शनिवार रात को उलीडीह स्थित अपने भगिना से मिलने गया था। मुलाकात के बाद वह घर लौटने के लिए निकला, लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंचा। रविवार को सुबह में उलीडीह की एक युवती ने फोन कर परिवार को विकास का शव मिलने की सूचना दी। प्रारंभिक जांच में मृतक के सिर पर किसी धारदार हथियार से किए गए कई वार के निशान मिले हैं। मृतक के भाई ने क्षेत्र में सक्रिय कुछ नशेड़ियों पर हत्या का संदेह व्यक्त किया है।

चतरा में मिले गोवंश के कटे हुए तीन सिर, ग्रामीणों ने कर दिया रोड जाम

PHOTON NEWS CHATRA : चतरा जिला अंतर्गत इटखोरी थाना क्षेत्र में बक्शा डैम से रविवार को सुबह में गोवंश के तीन कटे हुए सिर मिले,



जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। आशंका जताई जा रही है कि असामाजिक तत्वों द्वारा माहौल बिगाड़ने के उद्देश्य से इस घटना को अंजाम दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही इटखोरी थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और तीनों सिरों को थाने ले आई। इधर घटना से नाराज ग्रामीणों ने नगवां चौक के पास इटखोरी-चतरा मेन रोड को जाम कर दिया। ग्रामीण मौके पर वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाने और दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग पर अड़े थे। स्थिति को नियंत्रित करने और जाम हटाने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी ग्रामीणों को समझाने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने मामले की छानबीन भी शुरू कर दी है। अंत में डीएसपी सुनील कुमार सिंह के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया। डीएसपी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ और उन्होंने जाम हटाया। जाम लगने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। इस तरह की घटना इलाके में पहली बार होने के कारण लोगों में भारी गुस्सा है।

रक्तदान के लिए 200 से अधिक रक्तदाता व संस्थाएं सम्मानित



PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन (टीम पीएसएफ) ने 25वें वर्ष में रविवार को बिष्टुपुर स्थित मिलानी हॉल में वार्षिक सम्मान समारोह किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीओ-धालभूम अर्णव मिश्रा थे। समारोह में 100 से 500 यूनिट तक रक्त संग्रह करने वाले 21 संस्थानों-संस्थाओं तथा 500 यूनिट से अधिक रक्त संग्रह करने वाले पांच संस्थाओं को विशेष सम्मान दिया गया। वहीं 100 यूनिट तक रक्त संग्रह करने वाले 40 संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित संस्थाओं में टाटा स्टील फाउंडेशन, नरेंद्र मोदी फैंस क्लब, उदगम, अर्पण, संजीव सेना आदि शामिल रहीं। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सिविल सर्जन डॉ. साहिर पॉल, झारखंड ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीकांत कटारे, झारखंड पुलिस एसोसिएशन के सचिव संतोष महतो, जमशेदपुर ब्लड सेंटर की सचिव नलिनी राममूर्ति, सहसचिव रविंद्र दुग्गल, जीएम संजय चौधरी, एक्टर एवं मॉडल नीला सेनगुप्ता, ज्योत्सना सरकार, समाजसेवी पायल चौधरी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन टीम पीएसएफ के निदेशक अरिजीत सरकार ने किया।

पूर्वी सिंहभूम के दो बालू घाटों के लिए जारी हुआ परिवहन चालान

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिला के दो प्रमुख बालू घाटों को झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद से कंसेंट टू ऑपरेट (सीटीओ) प्राप्त हो गया है। इसके साथ ही जिला खनन कार्यालय ने परिवहन चालान जारी कर दिया। इस कदम के साथ ही जिले में वैध तरीके से बालू उठाव का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया। जिन बालू घाटों के लिए संचालन और परिवहन की अनुमति निर्गत की गई है, उसमें गुड़ाबांदा प्रखंड स्थित 34.70 हेक्टेयर क्षेत्र में कोरिया मोहनपाल बालू घाट तथा 46.30 हेक्टेयर क्षेत्र में विस्तृत कोरिया मोहनपाल एवं स्वर्णरेखा बालू घाट शामिल हैं।



इन दोनों घाटों से वैध तरीके से बालू का उठाव शुरू होने से राज्य सरकार को लगभग 20 करोड़ रुपये का बड़ा खनन राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। इसके साथ ही, वैध चालान के माध्यम से बालू की आपूर्ति सुचारू होने से क्षेत्र में अवैध तरीके से बालू उठाव और अवैध परिवहन की गतिविधियों पर प्रभावी रूप से नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। जिले में इन बालू घाटों का संचालन शुरू होने से आम लोगों को अब वैध तरीके से और आसानी से बालू उपलब्ध हो सकेगा। इससे जिले में चल रहे सरकारी एवं निजी निर्माण कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होंगी। बालू की सहज उपलब्धता से विकास योजनाओं की गति तेज होगी तथा आम नागरिकों को अपने आवास व अन्य निर्माण कार्यों में सहूलियत मिलेगी।

जामाडोबा फायरिंग केस का हुआ खुलासा पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

PHOTON NEWS DHANBAD : झरिया पुलिस अनुमंडल अंतर्गत जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा डुमरी नंबर-2 में 29 मई को हुई फायरिंग मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रविवार को प्रेसवार्ता में सिंदरी के एसडीपीओ प्रकाश चंद महतो ने बताया कि उस दिन रिक्की सिंह (28) को आपसी रंजिश के दौरान गोली मार दी गई थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद घायल की पत्नी चंदा कौर के लिखित आवेदन पर जोड़ापोखर थाना में मामला दर्ज किया गया। एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर एसडीपीओ-सिंदरी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर नानक सिंह और आरिफ अंसारी को गिरफ्तार किया। घटना में प्रयुक्त दोनों बाइक बोकारो रेलवे स्टेशन क्षेत्र से बरामद किया गया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी अपने अन्य साथियों हर्ष सिंह और गौरव सिंह के साथ रिक्की सिंह के घर के पास रखा रोप-वे केबल लेने पहुंचे थे। इसी दौरान रिक्की सिंह और उसके भाई विजय उर्फ दारा सिंह के साथ बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसी बीच जामाडोबा पेट्रोल पंप के पास हर्ष सिंह ने रिक्की सिंह को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस को यह भी पता चला कि रिक्की सिंह और उसके दोनों भाई गौरव सिंह उर्फ गोपु पहले भी विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहते थे।



अपराधियों की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

जूनियर बालिका खो-खो में रामगढ़ को हराकर रांची की टीम बनी चैंपियन

PHOTON NEWS JAMTARA : जामताड़ा के गांधी मैदान में 29 मई से शुरू 20वीं राज्य स्तरीय जूनियर बालिका खो-खो प्रतियोगिता का समापन रविवार को हो गया। इसमें रांची की टीम चैंपियन बनी, जबकि रामगढ़ को उपविजेता का खिताब मिला। इससे पहले सुबह में रांची, रामगढ़, जामताड़ा व खूंटी के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें रांची व रामगढ़ की टीम ने फाइनल मुकाबला खेला। फाइनल मुकाबले में रांची ने रामगढ़ को दो अंकों से पराजित किया। तीसरे स्थान के मुकाबले में खूंटी ने आल स्पोर्ट्स एकेडमी जामताड़ा को 13 अंकों से हराया। प्रतियोगिता में रांची प्रथम, रामगढ़ द्वितीय तथा खूंटी एवं जामताड़ा संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे।



रांची की टीम



रामगढ़ की टीम

इस प्रतियोगिता में बेस्ट चेजर रोशनी खलखो, बेस्ट रनर अंजनी कुमारी और बेस्ट प्लेयर शीतल कुजूर रही। तीनों को कप देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में राज्य के 16 जिलों की टीमों सहित लगभग 300 लोगों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय खो-खो संघ के निदेर्शानुसार तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार एवं जिला प्रशासन जामताड़ा के सहयोग से किया गया।

बीएड प्रवेश परीक्षा : ग्रेजुएट कॉलेज में कई छात्राओं को नहीं मिली एंट्री, अभ्यर्थियों ने गेट पर किया हंगामा

PHOTON NEWS JSR : बीएड, एमएड और बीपीएड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा रविवार को जमशेदपुर के 8 केंद्रों पर हुई। इस दौरान ग्रेजुएट कॉलेज परीक्षा केंद्र पर हंगामा देखने को मिला। करीब एक दर्जन से अधिक छात्राओं को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलने पर उन्होंने गेट के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई जब कुछ छात्र गेट पर चढ़ गए और परीक्षा में शामिल होने की मांग करने लगे। हालांकि तैनात सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें नीचे उतार कर केंद्र के गेट से दूर किया।

अभ्यर्थियों का आरोप है कि परीक्षा के लिए रिपोर्टिंग टाइम सुबह 10.15 बजे थी, जबकि परीक्षा 10.30 बजे शुरू होनी थी। वे सुबह 10.10 बजे केंद्र पर पहुंच गए थे, गेट पर जांच और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया में अधिक समय लगने के कारण वे समय पर अंदर नहीं जा सके। इस वजह से कई योग्य अभ्यर्थी परीक्षा देने से वंचित रह गए। घटना के बाद छात्रों में आक्रोश देखा गया और उन्होंने परीक्षा प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया।

3032 विद्यार्थी हुए शामिल

यह परीक्षा जमशेदपुर के 8 केंद्रों पर हुई, जिसमें 3801 पंजीकृत अभ्यर्थियों में 3032 ही उपस्थित हुए। 769 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह कुल उपस्थिति दर लगभग 79.77 प्रतिशत और अनुपस्थिति दर 20.23 प्रतिशत दर्ज की गई। खास बात यह रही कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के कदाचार का मामला सामने नहीं आया। जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया, जहां सुरक्षा और निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।



> परीक्षा के एंट्री से लेकर परीक्षा शुरू होने तक का समय निर्धारित है और यह परीक्षार्थियों को भी पता है। गेट अपने निर्धारित समय पर बंद हुआ। ऐसे में अगर कोई बाहर रह गया, तो यह उसकी गलती है। इसमें कॉलेज कुछ नहीं कर सकता था।
>
> – डॉ. वीणा प्रियदर्शी, प्रिंसिपल, ग्रेजुएट कॉलेज, जमशेदपुर

केंद्रवार उपस्थिति विवरण

परीक्षा केंद्र	कुल अभ्यर्थी	उपस्थित	अनुपस्थित
करीम सिटी कॉलेज, मानगो	744	582	162
ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वीमेन, साकची	729	588	141
दयानंद पब्लिक स्कूल, साकची	648	525	123
जेकेएस इंटर कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मानगो	552	438	114
एबीएम कॉलेज, गोलमुरी	408	318	90
श्यामा प्रसाद इंटर कॉलेज, टाटानगर	384	315	69
उत्कल समाज इंटर कॉलेज, गोलमुरी	336	266	70

सुविधा उपायुक्त के निर्देश पर विभागीय अधिकारियों ने किया स्थल निरीक्षण, दो प्रस्ताव पर लिया गया निर्णय

पाकुड़ के आदिम जनजाति गांवों में बहुत जल्द मिलेगा शुद्ध पेयजल

PHOTON NEWS PAKUR : पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत आदिम जनजाति बहुल ग्राम सीमलढाब में पेयजल व्यवस्था से संबंधित समाचार प्रकाशित होने के बाद उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संबंधित अधिकारियों को स्थल निरीक्षण का निर्देश दिया। उपायुक्त के निर्देश पर कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पाकुड़, कनीय अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, लिट्टीपाड़ा, पंचायत प्रतिनिधियों एवं स्थानीय अधिकारियों की टीम ने गांव पहुंचकर वस्तुस्थिति का विस्तृत आकलन किया।



स्थल निरीक्षण करते विभागीय अधिकारी ● फोटोन न्यूज

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ग्राम सीमलढाब में संथाल टोला एवं पहाड़िया टोला सहित दो बस्तियां हैं। संथाल टोला में लगभग 35 परिवार निवासरत हैं, जहां पेयजल की उपलब्धता के लिए तीन चापाकल कार्यरत अवस्था में हैं। वहीं ग्राम के पूर्वी छोर से लगभग एक किलोमीटर दूर वन क्षेत्र के भीतर स्थित पहाड़िया टोला में 12 आदिम जनजातीय परिवार निवास करते हैं। अधिकारियों ने पाया कि पहाड़िया टोला के समीप एक पहाड़ी नदी बहती है, जिसमें वर्तमान समय में निरंतर जलप्रवाह है और स्थानीय परिवार दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए इसका उपयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही यह भी पाया गया कि टोला के सभी परिवारों को आवासीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया है तथा कई आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ग्रामीणों ने पहाड़िया टोला में चापाकल लगाने की मांग रखी। तकनीकी निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि टोला तक पहुंचने के लिए वन भूमि क्षेत्र से होकर गुजरना पड़ता है तथा वर्तमान में वहां कोई सुगम पहुंच पथ उपलब्ध नहीं है। इसी कारण बोरिंग मशीन एवं अन्य भारी उपकरणों का वहां तक पहुंचना संभव नहीं हो पा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने पंचायत प्रतिनिधियों को वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के अंतर्गत वर्तमान पगडंडी मार्ग को सामुदायिक रास्ते के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि भविष्य में विकास कार्यों का मार्ग प्रशस्त हो सके। ग्रामीणों को सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विभाग द्वारा दो व्यवहारिक एवं दीर्घकालिक विकल्प सुझाए गए हैं।

सरायढेला में बाइक चोरी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र में बाइक चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रविवार को पुलिस ने सभी आरोपियों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित राधा-कृष्णा स्टोर के संचालक मनोज कुमार की बाइक 29 मई की शाम चोरी हो गई थी। घटना के दौरान एक आरोपित बाइक लेकर फरार हो गया था, जबकि दूसरे युवक को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

सरायढेला थाना के एसआई संजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार



आरोपी वरुणेश कुमार से पूछताछ के दौरान मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की। कार्रवाई में अनिमेष सिंह और राहुल नामक दो अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर सदर अस्पताल में मेडिकल जांच कराई और इसके बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मामले में आगे की जांच जारी है।

BRIEF NEWS

मोबाइल चुराने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

BHAGALPUR : रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान की क्राइम प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन स्क्वाड एवं जीआरपी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रेल यात्रियों के कीमती सामानों की चोरी करने वाले दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी के छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1.50 लाख रुपये बताई गई है।वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त वाराणसी के निर्देश तथा आरपीएफ पोस्ट सीवान के प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव के पर्यवेक्षण में रविवार को सीवान रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-4 के समीप झाड़ियों में छिपे दो संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की गई. तलाशी के दौरान उनके पास से विभिन्न कंपनियों के कुल छह चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए।

भागलपुर-कटिहार स्पेशल ट्रेन की सेवा 4 जून तक रहेगी जारी

BHAGALPUR : रेलवे ने 03407/03408 भागलपुर - कटिहार - भागलपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन की सेवा को मौजूदा मार्ग, समय और ठहरावों के साथ 4 जून तक जारी रखने का निर्णय लिया है। उक्त आशय की जानकारी रविवार को मालदा डीविजन के पीआरओ ने दी। उन्होंने बताया कि यह महत्वपूर्ण रेल संपर्क शुरू में गंगा नदी पर बने विक्रमशिला सेतु को हुए नुकसान के कारण सड़क संपर्क में आई भारी बाधाओं के बाद शुरू किया गया था। जिसने भागलपुर और सीमांचल क्षेत्र के बीच सीधे वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह से रोक दिया था। दैनिक यात्रियों, दफ्तर जाने वालों, व्यापारियों और स्थानीय किसानों को होने वाली भारी कठिनाइयों को देखते हुए, रेलवे ने पहले भागलपुर और कटिहार के बीच सोमवार तक इस विशेष अनारक्षित सेवा को चलाने के लिए कदम उठाया था।

21 लीटर चुलाई शराब के साथ पांच कारोबारी गिरफ्तार

BETTIAH : बेतिय पुलिस जिला के मझौलिया पुलिस ने रविवार के दिन विभिन्न कांडो में आरोपित पांच शराब कारोबारियों को कुल 21 लीटर चुलाई शराब के साथ मध निषेध अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज एसएचओ अमर कुमार ने बताया कि कांड संख्या 476/26 के नामजद अभियुक्त हरपुर गावं निवासी झगरू पासवान (61) वर्ष को चार लीटर चुलाई शराब के साथ तथा कांड संख्या 477/26 के नामजद अभियुक्त संजय महतो, मन्देश राम, नारद यादव तीनों साकिम बखरिया को 17 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके अलावे शराब के एक और धंधेबाज लालसरैया सेंटर बाजार निवासी संतोष पासवान को गिरफ्तार किया गया। एसएचओ ने बताया कि सबों का मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। उन्होंने बताया कि शराब और नशेड़ियों के खिलाफ मुहिम जारी रहेगा।

सीएम ने बेली ब्रिज का किया निरीक्षण, विभिन्न योजनाओं का हुआ उद्घाटन

ब्रिज से जनता को आने वाले समय में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद

AGENCY BHAGALPUR : निर्धारित कार्यक्रम के तहत बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी रविवार को भागलपुर पहुंचे। हवाई अड्डे पर सांसदों, जनप्रतिनिधियों और एनडीए कार्यकर्ताओं ने उनका फूलों के गुलदस्ते और नारों के साथ स्वागत किया।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। हवाई अड्डे से निकलने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री का काफिला सीधे विक्रमशिला सेतु पहुंचा। वहां उन्होंने हाल ही में निर्मित बेली ब्रिज का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने पुल की संरचना, निर्माण कार्य की प्रगति और इस पर होने वाली यातायात व्यवस्था की विस्तृत जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पुल पर आवागमन की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को यातायात को सुगम बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



भागलपुर में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर पूरे शहर में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे और सभी प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहे। विक्रमशिला सेतु निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री सीधे समाहरणालय पहुंचे। यहां उन्होंने जिले के लिए करोड़ों रुपये की विभिन्न महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसके साथ ही, आगामी विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर वे प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री के इस भागलपुर दौरे को क्षेत्र के समग्र विकास, आधारभूत संरचना और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को मजबूती देने की दिशा में एक बेहद अहम कदम माना जा रहा है। बेली ब्रिज के शुरू होने और नई योजनाओं के शिलान्यास से स्थानीय जनता को आने वाले समय में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

BHAGALPUR : भागलपुर समाहरणालय परिसर स्थित समीक्षा भवन में विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला-2026 की तैयारियों एवं अन्य विकास योजनाओं को लेकर रविवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि श्रावणी मेला-2026 की सभी तैयारियां समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रावणी मेले के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। साथ ही मेले के दौरान चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों की तैनाती करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने सुईया, कटोरिया, चानन सहित कांवरिया पथ पर स्थित धर्मशालाओं को चेन सिस्टम के तहत व्यवस्थित कर उन्हें पर्यटन नीति से जोड़ने की बात कही। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी धर्मशालाओं को पीपीपी मोड पर व्यवस्थित किया जाए ताकि वे वर्षभर सक्रिय और उपयोगी रह सकें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सुल्तानगंज, तारापुर, बेलहर, सुईया, कटोरिया, चानन सहित प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए, जिससे जाम की स्थिति से बचा जा सके।

तीन दिनों में तीसरी वारदात, बंद घर से जेवर-नकद ले उड़े बदमाश

AGENCY SUPAUL : जिले के पिपराथाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। महज तीन दिनों के भीतर चोरी और चोरी के प्रयास की तीन घटनाएं सामने आने से इलाके में दहशत का माहौल है। ताजा मामला पथरा उत्तर पंचायत के सन्यासी टोला का है, जहां चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये मूल्य के सामान पर हाथ साफ कर दिया।

जानकारी के अनुसार, सन्यासी टोला वार्ड संख्या-5 निवासी इंदल गिरी रोजगार के सिलसिले में दिल्ली में रहते हैं। घर में रहने वाले बच्चे भी रात में रिश्तेदारों के यहां सोने चले जाते थे। इसी का फायदा उठाकर शनिवार रात अज्ञात चोरों ने घर के मुख्य गेट की लोहे की कुंडी तोड़ दी और अंदर घुस गए।



चोरों ने घर के कमरों में रखे बक्से और ट्रॉली बैग को तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर, नकद राशि तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। इतना ही नहीं, बदमाश घर से एलसीडी टीवी, टेंपू की बैटरी और एक बकरा भी अपने साथ ले गए।घटना का खुलासा रविवार सुबह हुआ, जब इंदल गिरी की 12 वर्षीय पुत्री नंदिनी कुमारी घर पहुंची। घर के अंदर सामान बिखरा देख उसने ग्रामीणों को सूचना दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

ओडिशा के 6 लुटेरों को नवादा में पुलिस ने किया गिरफ्तार, कई कांडों का हुआ खुलासा

AGENCY NAVADA : बिहार के नवादा जिले के हिसुआ-नवादा रोड के बलियारी गांव के समीप स्थित जगदेव पेट्रॉल पंप परिसर में खड़ी मोटरसाइकिल की डिक्की से तीन लाख दस हजार रुपए उड़ाने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के 6 अभियुक्तों को पुलिस ने रविवार को दबोच लिया। छह अभियुक्त पकड़े गये हैं। सभी ओडिशा के रहने वाले हैं। वे लोग गिरोह बनाकर लूटपाट की घटना को अंजाम दे रहे थे। पकड़े जाने वालों में उड़ीसा के कोइनपुर थाना क्षेत्र के अजय दास, राजेश दास, थामनगर थाना क्षेत्र के देवेंद्र दास, सुरडा थाना क्षेत्र के टी बाला, और टी मारकंडे गोंदारी पोकोटी थाना क्षेत्र के अशोक कुमार दास पकड़े गये हैं। पांच की उम्र 18 वर्ष से



मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

35 वर्ष के बीच और टी मारकंडे की उम्र 55 वर्ष है। बिहार के जहानाबाद जिले के कुर्था थाना में भी इनकी संलिप्तता उजागर हुई है। पुलिस के पूछताछ के दौरान सभी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। उनके पास से तीरपन हजार रुपए नगद, दो मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल, दो पायल, दो मोटरसाइकिल का नंबर प्लेट, एटीएम कार्ड, मास्टर चाभी, ड्राइविंग लाइसेंस, पावर पैक और कई आधार कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि वे खानाबदोश की तरह रहकर घटना को अंजाम दे रहे थे। गया, नवादा, जहानाबाद, पटना, नालंदा आदि जगहों पर जाने की बात कही है। पहाड़ के किनारे, सुनसान जगहों पर या जहां सुरक्षित छिपकर रहने की जगह हो वैसे जगहों पर रहकर घटना को अंजाम दे रहे थे। छिपे हालत में ही पुलिस ने उन्हें नवादा जिले के तुंगी से दबोचा।

NEWS BOX

चोरी की बाइक और दो मोबाइल के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार

AGENCY SUPAUL : सुपौल पुलिस ने अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की एक मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों का संबंध 18 मई को परमानंदपुर क्षेत्र में बंदूक की नोक पर हुई छिनतई की घटना से भी जुड़ा हुआ है। जानकारी के मुताबिक पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर छापेमारी कर पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी की एक बाइक तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पूछताछ में कई अहम सुराग मिलने की बात सामने आ रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 18 मई को परमानंदपुर में हथियार के बल पर छिनतई की घटना को अंजाम दिया गया था। मामले की जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।इस कार्रवाई को सुपौल पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जिले में अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।



तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, महिला समेत दो घायल

AGENCY SUPAUL : सुपौल शहर के व्यस्ततम इलाकों में शामिल कोशी कॉलोनी चौक के समीप रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार से आ रही एक चारपहिया वाहन और ई-रिक्शा के बीच हुई जोरदार टक्कर में एक महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। स्थानीय लोगों की तत्परता और मानवीय पहल के कारण घायलों को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल सुपौल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब ई-रिक्शा कोशी कॉलोनी चौक से गुजर रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक चारपहिया वाहन ने नियंत्रण खो दिया और ई-रिक्शा से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के प्रभाव से उसमें सवार यात्री सड़क पर जा गिरे और मौके पर चीख-पुकार मच गई।



भाजपा के प्रदेश मंत्री संजय मुन्ना का कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन

AGENCY NALANDA : नवादा परिषदन में भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल मेहता के नेतृत्व में रविवार को बिहार भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री संजय कुमार मुन्ना का पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने फूल-मालाओं एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अनिल मेहता ने कहा कि संजय कुमार मुन्ना ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की थी। वे भाजपा के जिलाध्यक्ष सहित संगठन के विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें प्रदेश मंत्री का दायित्व सौंपा जाना नवादा जिले के लिए गौरव की बात है। उनके अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता का लाभ पार्टी को निश्चित रूप से मिलेगा तथा संगठन और अधिक सशक्त होगा। अपने संबोधन में नवनियुक्त प्रदेश मंत्री संजय कुमार मुन्ना ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने मुझ जैसे एक साधारण कार्यकर्ता पर इतना बड़ा दायित्व सौंपा है।



सरकारी वाहन की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़, 118.48 लीटर विदेशी शराब जब्त

AGENCY KISHANGANJ : जिले में सरकारी वाहन की आड़ में शराब तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन से 118.48 लीटर विदेशी शराब एवं बीयर बरामद की है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। जब्त वाहन और शराब को उत्पाद थाना लाकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, उत्पाद विभाग को सूचना मिली थी कि एक सरकारी विभाग से जुड़ी गाड़ी का उपयोग शराब तस्करी के लिए किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद रामपुर (खगड़ा) स्थित उत्पाद जांच चौकी पर विशेष निगरानी बढ़ा दी गई। इसी दौरान पश्चिम



बंगाल की ओर से आ रही एक सफेद स्कॉर्पियो वाहन ने चेकपोस्ट देखकर अचानक वापस मुड़कर भागने का प्रयास किया। वाहन की गतिविधि संदिग्ध लगने पर उत्पाद विभाग की टीम ने तत्काल घेराबंदी कर उसका पीछा किया। घेराबंदी के दौरान वाहन में सवार दो व्यक्ति भागने लगे। स्थानीय लोगों और उत्पाद विभाग की टीम की सहायता से एक आरोपी को पकड़ लिया गया, जबकि दूसरा फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अररिया जिले के सिमराहा निवासी प्रकाश कुमार के रूप में हुई है। वाहन की तलाशी लेने पर विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब और बीयर बरामद हुई। सभी बोतलों और पैकेटों पर फॉर सेल इन वेस्ट बंगाल अंकित पाया गया। पूछताछ में प्रकाश कुमार ने बताया कि उसका फरार साथी किशनगंज रेलवे कॉलोनी निवासी राजेश कुमार कामती है।

दो बच्चे की मां ने रचाई शादी, परिजनों ने अपनाने से किया इनकार

BHAGALPUR : जिले के सनोखर थाना क्षेत्र स्थित सिलहन गांव में प्यार, शादी और विवाद की एक अनोखी कहानी सामने आई है। यहां दो बच्चों की मां को गांव के ही एक युवक से ऐसा प्यार हुआ कि उसने अपना बसा-बसाया घर छोड़ दिया और प्रेमी संग मंदिर में शादी रचा ली। लेकिन अब प्रेमी के घरवालों उसे अपनाने से इंकार कर कर रहे हैं। 25 वर्षीय मोनी कुमारी ने बताया कि गांव के ही 19 वर्षीय दिलखुश यादव से पहले बातचीत शुरू हुई। घर के पास रहने के कारण दोनों अक्सर एक-दूसरे को देखते थे। धीरे-धीरे मोबाइल पर बातें होने लगीं और फिर दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों की मुलाकातें बढ़ीं और साथ जीने-मरने की कसमें खाने लगे। महिला ने बताया कि 3 जनवरी को दोनों ने पटना के एक मंदिर में शादी कर ली।

मादक पदार्थ के सिंडिकेट का हुआ खुलासा भारी मात्रा में कैश व डोडा बरामद, दो अरेस्ट

AGENCY EAST CHAMPARAN : जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम ने नगर थाना की पुलिस के सहयोग से मादक पदार्थ के बड़े तस्कर गिरोह का खुलासा किया है।

संयुक्त टीम ने इस दौरान दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से करीब 70 लाख रुपये से अधिक नकद राशि, एक नोट गिनने की मशीन और लगभग 400 किलोग्राम डोडा बरामद किया गया है।

दरअसल एनसीबी को गुप्त सूचना मिली थी कि पीपरा थाना क्षेत्र के स्थायी निवासी वर्तमान में नगर थाना क्षेत्र के मिस्कॉट मुहल्ला निवासी किराना व्यवसायी पप्पू प्रसाद अपनी किराना दुकान की आड़ में डोडा का अवैध कारोबार चला रहा है। इस सूचना के आधार पर बीते कुछ दिनो



से एनसीबी की टीम ने रेकी शुरू की। रेकी के दौरान मादक पदार्थ के कारोबार की पुष्टि होने के बाद नगर थाना पुलिस के साथ मिलकर कारोबारी के हिन्दी बाजार के पानी टंकी,चांदमारी व जानपुल सहित कई संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान सामने आया कि आरोपी पप्पू प्रसाद इस कारोबार का संचालन अपने निजी मकान के बजाय किराये के घर से कर रहा था।मिली जानकारी के अनुसार कारोबारी पप्पू प्रसाद का मुजफ्फरपुर-मोतीपुर रोड पर 'मोगा ढाबा' नाम से एक प्रतिष्ठान भी है। कारोबारी इस ढाबे से डोडा की सप्लाई ट्रक चालकों के माध्यम से देश के अन्य राज्यो तक कर रहा था।जिसकी जांच एनसीबी की टीम ने शुरू कर दी है।

इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। फिलहाल एनसीबी व पुलिस की टीम गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि इस सिंडीकेट से जुड़े अन्य लोगो का पता चल सके।

अलर्ट कोशी तटबंध के भीतर दुबियाही व मौजहा पंचायत का एसडीएम ने किया निरीक्षण, कहा-

बाढ़ से निपटने के लिए सभी तैयारियां समय से होंगी पूरी

AGENCY SUPAUL : आगामी बाढ़ 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार को किशनपुर प्रखंड अंतर्गत कोशी तटबंध के भीतर स्थित दुबियाही एवं मौजहा पंचायत का एसडीएम मनोहर कुमार साहू और एसडीपीओ ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बाढ़ और कटाव से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया तथा स्थानीय लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बाढ़ के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएंगी। निरीक्षण दल में अनुमंडल



निरीक्षण करते एसडीएम मनोहर कुमार साहू, एसडीपीओ व ग्रामीण

पदाधिकारी (एसडीएम) मनोहर साहू, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सुपौल, प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) किशनपुर, संबंधित तटबंध के पदाधिकारी, अभियंता, पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। अधिकारियों ने तटबंध के भीतर बसे गांवों की भौगोलिक स्थिति, संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों और कटाव की गंभीरता का आकलन किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुबियाही और मौजहा पंचायत के उन इलाकों का विशेष रूप से दौरा किया जहां कोशी नदी के कटाव का खतरा बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि हर वर्ष बाढ़ और कटाव के कारण उनकी कृषि भूमि और आवासीय क्षेत्र प्रभावित होते हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीणों ने कटाव निरोधी कार्यों को शीघ्र शुरू करने और प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि सरकार की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कटाव प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही जिन परिवारों के विस्थापन की संभावना है, उनके पुनर्स्थापन की प्रक्रिया भी प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएगी। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने कटाव प्रभावित स्थलों पर मौजूद अभियंताओं को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

सड़क किनारे अचेत मिली बुजुर्ग महिला इलाज के दौरान मौत

BHAGALPUR : जिले के मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र स्थित गुड़हट्टा चौक के समीप रविवार को एक अज्ञात बुजुर्ग महिला अचेत अवस्था में मिली। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना डायल 112 पुलिस टीम को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और महिला को तत्काल इलाज के लिए मायागंज अस्पताल पहुंचाया। लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस अब मृतका की पहचान कराने के प्रयास में जुटी है। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह गुड़हट्टा चौक के पास लोगों ने एक बुजुर्ग महिला को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। इसके बाद तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी गई।

रोगी कल्याण समिति के सदस्यों ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

AGENCY NAVADA : नवादा रोगी कल्याण समिति के सदस्यों ने रविवार को नवादा सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि रक्त जांच (ब्लड टेस्ट) की व्यवस्था एक छोटे कमरे में संचालित हो रही थी, जिसके कारण मरीजों एवं उनके परिजनों को धूप, बारिश और अन्य असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल अस्पताल के बड़े हॉल में जांच व्यवस्था संचालित करने का निर्देश दिया गया । हॉल को खुलवाकर मरीजों के लिए बेहतर सुविधा सुनिश्चित की गई।

इसके साथ ही इमरजेंसी विभाग में कुछ चिकित्सकों द्वारा मरीजों का दूर से ही परीक्षण किए जाने की शिकायत मिली। इस पर



चिकित्सकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने चैंबर में बैठकर मरीजों का समुचित परीक्षण एवं उपचार करें, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा मिल सके। रोगी कल्याण समिति का प्रयास है कि नवादा सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं अधिक व्यवस्थित, सुचारू और जनहितकारी बनें। अस्पताल की अन्य समस्याओं एवं आवश्यक सुधारों को लेकर शीघ्र ही बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार से मुलाकात कर आवश्यक पहल करने का प्रयास किया जाएगा।

जांच के बहाने समस्याओं को लटकाए रखना ठीक नहीं

देश को आजाद हुए आठ दशक पूरे होने को हैं। आज प्रशासनिक अधिकारी भूले- भटके कभी किसी दूरस्थ क्षेत्र में चले जाएं तो यह हर्ष और कौतूहल का विषय बन जाता है। लेकिन, पराधीन भारत में ऐसा नहीं था। उस दौर में प्रशासनिक अधिकारी सदैव दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के दौरों पर रहते थे। जांच और आख्या के बहाने समस्याओं को लटकाया नहीं जाता था। समस्याएं मौके पर ही हल की जाती थीं। कोशिश होती थी कि समस्याओं का समाधान ग्रामीणों के बीच से ही निकाला जाए। ग्रामीणों की रायशुमारी एवं सवार्नुमति से निकला समाधान तुरंत प्रभावी और कारगर होता था। आपसी विवादों में तबके प्रशासनिक अधिकारी मात्र मध्यस्थ की भूमिका अदा करते थे। आज देश में जांच और आख्या के बहाने अनगिनत मामले लंबित रहते हैं। कभी-कभार तो जांच फाइलों से बाहर ही नहीं निकलती। मशहूर शिकारी, रोमांचक शिकार कथा लेखक और प्रकृति विज्ञानी जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'माय इंडिया' में उस दौर के ऐसे तमाम वाकया का रोचक एवं प्रेरक उल्लेख किया है। ब्रिटिश शासनकाल में कुमाऊं के तराई क्षेत्र को 'तराई एंड भाबर गवर्नमेंट एस्टेट' कहा जाता था। यानी वह जमीन या क्षेत्र, जिसमें प्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति विशेष का स्वामित्व न हो। उस जमाने में तराई में 473 छोटे-बड़े गांव थे, इनमें से 376 गांव सीधे एस्टेट के स्वामित्व या नियंत्रण में थे। तराई का प्रशासनिक नियंत्रण सुपरिटेंडेंट ऑफ तराई के पास था। सुपरिटेंडेंट ऑफ तराई का कोई निश्चित मुख्यालय नहीं था। वह जगह-जगह कैंप लगाकर लोगों की समस्याएं सुनते और उनका निराकरण करते थे। जिम कार्बेट की किताब में उल्लिखित यह किस्सा करीब एक सौ साल से भी पुराना है। तब सर फ्रेडरिक एंडरसन तराई के सुपरिटेंडेंट थे। एंडरसन ने जनवरी में तराई के एक गांव में कैंप लगाया था। जिम लिखते हैं उस कैंप में मैं भी मौजूद था। जिम ने माय इंडिया' में 'लालफीताशाही के पहले का जमाना' नामक शीर्षक में लिखा है कि इस गांव से कुछ सौ गज दूरी पर एंडरसन का कैंप लगा था। गांव के सारे लोग एंडरसन के प्रति आदर प्रकट करने आ पहुंचे और कैंप लगाने में जो भी मदद हो सकती थी, वो कर रहे थे। उस शाम जब गांव के बाहर कैंप के लिए तंबू गड़ रहे थे और पूरे गांव के लोग वहां इकट्ठे थे, तब एंडरसन ने सब लोगों को बैठ जाने को कहा और उनसे कहा कि यदि किसी को कोई शिकायत, फरियाद करनी हो या दरख्वास्त देनी हो, तो वे उन्हें अभी सुनेंगे। पहली शिकायत गांव के नजदीक ही एक अन्य गांव के मुखिया ने की। शिकायतकर्ता मुखिया के गांव और जिस गांव में एंडरसन का कैंप लगा था, उस गांव के बीच एक साझी नहर थी, जिसका पानी सिंचाई के लिए दोनों गांव के लोग इस्तेमाल करते थे। उस साल मानसून कमजोर था और नहर में इतना पानी नहीं था कि दोनों गांव के खेतों की सिंचाई इससे हो पाती। जो गांव ऊपर पड़ता था, उस गांव के लोगों ने ही नहर का सारा पानी इस्तेमाल कर डाला था। मुखिया के गांव में धान की पूरी फसल मारी गई थी। जहां कैंप लगा था, उस गांव के मुखिया ने भी यह स्वीकार किया कि उन्होंने नहर का पानी आगे नहीं जाने दिया था। उसने दलील दी कि यदि पानी दोनों गांवों में पहले की तरह बांटा जाता तो दोनों ही गांव की फसल मारी जाती। एंडरसन के यहां आने के कुछ दिन पहले ही फसल कटी थी। एंडरसन ने दोनों मुखिया की बात सुनी और अपना फैसला सुनाया कि पूरी फसल दोनों गांवों में जोत के रकबे को आधार बनाकर बांट दी जाए। जिस गांव में फसल हुई थी, वहां के निवासियों ने इस फैसले पर सहमति जताई, लेकिन यह एतराज जरूर किया कि वे फसल का हिस्सा तो दूसरे गांव को दे रहे हैं, लेकिन उन्होंने खेतों में जो परिश्रम किया है, उसका मुआवजा उन्हें नकद मिलना चाहिए। गांव के लोगों ने कहा निचले गांव के लोगों को पारिश्रमिक मांगने का कोई हक नहीं है, क्योंकि उन्होंने उनसे कभी परिश्रम करने को नहीं कहा। एंडरसन ने एक पल विचार किया और कहा कि फसल उगाने वाले गांव के लोग मजदूरी के हकदार हैं। इस फैसले के बाद किसी ने कोई आपत्ति नहीं की और दोनों गांव के मुखिया उठकर फसल का बंटवारा करने चल दिए। दोनों गांवों के मुखिया ने गांव के रकबे के आधार पर फसल का बंटवारा कर लिया। अब एंडरसन के सामने अगली शिकायत आई। छेदी नाम के एक ग्रामीण ने शिकायत की कि गांव निवासी कालू नामक व्यक्ति ने उसकी पत्नी तिलनी का अपहरण कर लिया है। एंडरसन ने पूछा- कालू भीड़ में मौजूद है क्या, तो गोलाई में फैली भीड़ के दूसरे कोने पर बैठा एक आदमी उठ खड़ा हुआ और उसने कहा जी हजूर, मैं कालू हूं। एंडरसन के पूछने पर कालू ने स्वीकार किया कि तिलनी उसकी दी हुई झोपड़ी में रह रही है, लेकिन इस बात से उसने साफ इनकार किया कि उसने तिलनी का अपहरण किया है। कालू से पूछा गया कि क्या वह तिलनी को उसके पति को लौटाने के लिए तैयार है, तो कालू ने जवाब दिया कि तिलनी अपनी मर्जी से आई है और वो हरगिज उस पर दबाव डालकर उसके पति के पास जाने को नहीं कहेगा। क्या तिलनी मौजूद है। एंडरसन ने पूछा। महिलाओं के झुंड से एक लड़की उठ खड़ी हुई और सामने आकर बहुत अदब से बोली-मैं तिलनी हूं। हजूर का क्या हुक्म है। एंडरसन ने तिलनी से पूछा कि क्या उसने अपनी मर्जी से अपने पति को छोड़ा है। उसने छेदी की तरफ इशारा किया और कहा, हुजूर, आप देखिए उसको, वह कितना गंदा है। वह सिर्फ गंदा ही नहीं, भारी कंजूस भी है।

दीर्घकालिक रणनीतियों को गति देने वाली मोदी की नीदरलैंड यात्रा

ANALYSIS



✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया की सबसे उन्नत चिप निर्माण मशीनें बनाने वाली एएसएमएल का सहयोग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वर्तमान समय में चिप उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। मोबाइल फोन, रक्षा उपकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमोबाइल और सुपरकंप्यूटर- सभी की निर्भरता सेमीकंडक्टर पर है। भारत लंबे समय से चिप निर्माण में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश कर रहा था। निश्चित ही यह समझौता उस दिशा में वास्तविक प्रगति का संकेत है। भारत के खान मंत्रालय और नीदरलैंड के विदेश मंत्रालय के बीच क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौता हुआ है, वह भी ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, कोबाल्ट और रेयर अर्थ मिनरल्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धा से गुजर रही है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरियाँ, सौर ऊर्जा और रक्षा तकनीक इन खनिजों पर आधारित हैं। वर्तमान में इन संसाधनों पर चीन का बड़ा नियंत्रण है। ऐसे में यह समझौता भारत को वैकल्पिक आपूर्ति-श्रृंखला विकसित करने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में मदद कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा भारत की दीर्घकालिक आर्थिक, तकनीकी और सामरिक रणनीतियों को गति देने वाली यात्रा साबित हुई है। दोनों देशों के बीच 17 महत्वपूर्ण समझौतों और आशय पत्रों पर हस्ताक्षर हुए, जिनका दायरा सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, कृषि, उच्च शिक्षा, सांस्कृतिक विरासत और रणनीतिक साझेदारी तक फैला हुआ है। वस्तुतः इन समझौतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे भारत की उन जरूरतों को संबोधित करते हैं, जो अगले दो दशकों में उसकी आर्थिक शक्ति और वैश्विक भूमिका तय करेंगी, इसलिए ही आज यूरोप के तकनीकी रूप से उन्नत और जल प्रबंधन में विश्व अग्रणी देशों में शामिल नीदरलैंड के साथ यह सहयोग भारत के लिए कई स्तरों पर लाभकारी माना जा रहा है। भारत और नीदरलैंड ने भारत-नीदरलैंड रणनीतिक साझेदारी रोडमैप 2026-2030 में जल सुरक्षा, सेमीकंडक्टर विनिर्माण, हरित ऊर्जा, क्रिटिकल मिनरल्स और शिक्षा-शोध सहयोग को प्राथमिकता दी गई है, जिसका कि सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि निजी कंपनियों और निवेशकों को स्पष्ट नीति दिशा और दीर्घकालिक भरोसा मिलेगा। यह रोडमैप यूरोप और एशिया के बीच सप्लाई-चेन पुनर्गठन की उस वैश्विक प्रक्रिया का हिस्सा भी है, जिसमें चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की कोशिश की जा रही है। यात्रा का सबसे चर्चित समझौता टाटा इलेक्ट्रॉनिक और एएसएमएल के बीच हुआ जोकि गुजरात के धोलेरा में स्थापित होने वाली सेमीकंडक्टर फैब परियोजना से जुड़ा है। दुनिया की सबसे उन्नत चिप निर्माण मशीनें बनाने वाली एएसएमएल का सहयोग भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वर्तमान समय में चिप उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। मोबाइल फोन, रक्षा उपकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमोबाइल और सुपरकंप्यूटर- सभी की निर्भरता सेमीकंडक्टर पर है। भारत लंबे समय से चिप निर्माण में आत्मनिर्भर बनने की कोशिश कर रहा था। निश्चित ही यह समझौता उस दिशा में वास्तविक प्रगति



का संकेत है। भारत के खान मंत्रालय और नीदरलैंड के विदेश मंत्रालय के बीच क्रिटिकल मिनरल्स पर समझौता हुआ है, वह भी ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, कोबाल्ट और रेयर अर्थ मिनरल्स की वैश्विक प्रतिस्पर्धा से गुजर रही है। इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरियाँ, सौर ऊर्जा और रक्षा तकनीक इन खनिजों पर आधारित हैं। वर्तमान में इन संसाधनों पर चीन का बड़ा नियंत्रण है। ऐसे में यह समझौता भारत को वैकल्पिक आपूर्ति-श्रृंखला विकसित करने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में मदद कर सकता है। जल प्रबंधन के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। समुद्र तल से नीचे बसे होने के बावजूद नीदरलैंड ने तकनीक और इंजीनियरिंग के दम पर जल संकट और बाढ़ नियंत्रण में अद्भुत सफलता प्राप्त की है। इसी अनुभव का लाभ लेने के लिए भारत के जल शक्ति मंत्रालय और डच इंफ्रास्ट्रक्चर एंड वॉटर मैनेजमेंट मंत्रालय के बीच गुजरात की कल्पसर परियोजना पर तकनीकी सहयोग का समझौता हुआ। यदि यह परियोजना सफल होती है, तो इससे तटीय क्षेत्रों में जल संरक्षण, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण की नई संभावनाएँ खुल सकती हैं। भारत जैसे जल संकट झेल रहे देश के लिए यह सहयोग दीर्घकालिक रूप से अत्यंत उपयोगी है। भारत और नीदरलैंड ने हरित हाइड्रोजन सहयोग पर रोडमैप तैयार किया है। साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त कार्य समूह बनाने पर भी सहमति बनी। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी, जिसमें कि नीदरलैंड की तकनीकी क्षमता और भारत के विशाल ऊर्जा बाजार का संयोजन दोनों देशों के लिए लाभकारी हो सकता है। यात्रा के दौरान पश्चिम त्रिपुरा में फ्लोरीकल्चर के लिए इंडो-डच उत्कृष्टता केंद्र और बेंगलुरु में डेयरी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। नीदरलैंड कृषि तकनीक, डेयरी प्रबंधन और हाइड्रोपोनिक्स में विश्व स्तर पर अग्रणी माना जाता है। भारत में छोटे किसानों और पशुपालकों को आधुनिक तकनीक, बेहतर बीज, वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन और निर्यात आधारित खेती का लाभ मिल सकता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और नीदरलैंड के सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान के बीच स्वास्थ्य सहयोग पर समझौता महामारी निगरानी, जैव सुरक्षा और चिकित्सा अनुसंधान को नई दिशा देनेवाला है ।कोविड महामारी के बाद वैसे भी सार्वजनिक स्वास्थ्य सहयोग का महत्व बढ़ गया है। संयुक्त शोध परियोजनाएं भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को तकनीकी और वैज्ञानिक रूप से अधिक सक्षम बना सकती हैं। इसी तरह से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण समझौते हुए। नालंदा विश्वविद्यालय और ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक सहयोग तथा लीडेन विश्वविद्यालय पुस्तकालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के बीच समझौता सांस्कृतिक और बौद्धिक संबंधों को मजबूत करेगा। इस बीच इस यात्रा का चोल राजवंश के ताम्रपत्रों की वापसी इस यात्रा का भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष रही। भारत पिछले कई वर्षों से विदेशों में मौजूद अपनी ऐतिहासिक धरोहरों को वापस लाने के प्रयास कर रहा है। इन ताम्रपत्रों की वापसी पुरातात्विक उपलब्धि के साथ भारत की सांस्कृतिक पहचान और सभ्यतागत विरासत के सम्मान का प्रतीक भी है। सीमा शुल्क मामलों में पारस्परिक प्रशासनिक सहायता समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तेज होगी। स्वभाविक तौर पर इससे निर्यातकों को कागजी प्रक्रियाओं में राहत मिलने और लॉजिस्टिक्स लागत घटने की संभावना है। छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए यह विशेष रूप से लाभकारी साबित हो सकता है। कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई दिखाई देती है। यह साझेदारी भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, कृषि आधुनिकीकरण और शिक्षा-शोध के क्षेत्रों में नई गति देनेवाली है। साथ ही, यह यूरोप के साथ भारत के बढ़ते रणनीतिक संबंधों का भी संकेत है।

पढ़ाई पर विज्ञापन की दुहाई

आजकल परीक्षा परिणाम आते ही विद्यालयों के बाहर एक अजीब सी होड़ दिखाई देने लगती है। कहीं बड़े-बड़े होर्डिंग लगी होती हैं, कहीं रंगीन पोस्टर, कहीं सोशल मीडिया पर लगातार तस्वीरों की भरमार। किसी छात्र के साथ 99%, किसी के साथ 98%, किसी के साथ 97% अंक लिखे होते हैं। विद्यालय इन तस्वीरों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं मानो कोई व्यावसायिक उपलब्धि हासिल हुई हो। देखने वाले अभिभावकों को संदेश दिया जाता है कि यही वह संस्थान है, जहां सफलता मिलती है। शिक्षा अब धीरे-धीरे ज्ञान का माध्यम कम और प्रचार का साधन अधिक बनती दिखाई दे रही है। यही कारण है कि आज यह प्रश्न गंभीरता से उठने लगा है कि क्या पढ़ाई अब शिक्षा कम और विज्ञापन अधिक बन गई है। निस्संदेह, मेहनत करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान होना चाहिए। अच्छे परिणाम किसी भी छात्र, शिक्षक और अभिभावक के लिए गर्व का विषय होते हैं। लेकिन, समस्या तब शुरू होती है, जब विद्यालय केवल कुछ चुनिंदा विद्यार्थियों को ही सफलता का चेहरा बनाकर प्रस्तुत करने लगते हैं। बाकी बच्चे, जिन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार मेहनत की, संघर्ष किया, परिस्थितियों से लड़ते हुए परीक्षा पास की, वे सब इस चमक-दमक में कहीं पीछे छूट जाते हैं। विद्यालय के पोस्टरों पर उनकी तस्वीरें नहीं होतीं, उनके प्रयासों की चर्चा नहीं होती। धीरे-धीरे उनके मन में यह भावना बैठने लगती है कि शायद वे पर्याप्त अच्छे नहीं हैं। आज शिक्षा का वातावरण अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक हो चुका है। बच्चे अब ज्ञान प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि प्रतिशत हासिल करने के लिए पढ़ रहे हैं। माता-पिता की अपेक्षाएं, समाज की तुलना और विद्यालयों की प्रचार नीति मिलकर बच्चों पर ऐसा दबाव बना देती हैं कि वे स्वयं को अंकों के तराजू में तौलने लगते हैं। यदि किसी बच्चे के 95% अंक आए हैं, तो वह प्रतिभाशाली कहलाता है, लेकिन 70% लाने वाला बच्चा स्वयं को साधारण या कमजोर मानने लगता है। यह सोच शिक्षा की आत्मा के विरुद्ध है। हर बच्चा अलग होता है। किसी की रुचि विज्ञान में होती है, किसी की साहित्य में, कोई खेल में उत्कृष्ट होता है तो कोई कला, संगीत या तकनीकी कौशल में। लेकिन, वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने सफलता की परिभाषा को केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित कर दिया है। विद्यालय भी उसी दिशा में चलते दिखाई देते हैं, जहां उन्हें अधिक प्रचार और अधिक प्रवेश मिलने की संभावना हो। परिणामस्वरूप बच्चे विद्यार्थी कम और रिजल्ट प्रोडक्ट अधिक बनते जा रहे हैं। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इस प्रकार का प्रचार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। जिन छात्रों के अंक अपेक्षाकृत कम आते हैं, वे स्वयं को दूसरों से कमतर समझने लगते हैं। कई बच्चे अवसाद, तनाव और हीनभावना का शिकार हो जाते हैं। कुछ बच्चे तो इतने दबाव में आ जाते हैं कि वे परिवार और समाज से कटने लगते हैं। आज देश में परीक्षा परिणामों के बाद आत्महत्या जैसी घटनाएं भी सामने आती हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि उस सामाजिक और शैक्षणिक दबाव का परिणाम है, जो बच्चों पर लगातार डाला जा रहा है। विद्यालयों को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल टॉपर बनाने का माध्यम नहीं है। एक योग्य शिक्षक की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि उसके कितने छात्रों ने 95% अंक प्राप्त किए, बल्कि इससे होती है कि उसने कितने बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाया। असली शिक्षा वह है, जो बच्चे को जीवन के संघर्षों के लिए तैयार करे, उसे संवेदनशील बनाए, उसके भीतर नैतिकता और मानवता का विकास करे। यदि कोई बच्चा परीक्षा में औसत अंक लाता है लेकिन अच्छा इंसान बनता है, समाज के प्रति जिम्मेदार बनता है, तो वह भी शिक्षा की सफलता है। आज कई विद्यालय परीक्षा परिणामों को व्यवसायिक रणनीति की तरह इस्तेमाल करते हैं। सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट, अखबारों में विज्ञापन, शहर भर में बैनर यह सब शिक्षा के व्यवसायीकरण का संकेत है। अभिभावक भी इन चमकदार परिणामों से प्रभावित होकर विद्यालय चुनते हैं। उन्हें लगता है कि जहां अधिक टॉपर हैं, वही विद्यालय श्रेष्ठ है। लेकिन, शिक्षा की गुणवत्ता केवल कुछ विद्यार्थियों के प्रतिशत से तय नहीं हो सकती। किसी विद्यालय की वास्तविक पहचान इस बात से होनी चाहिए कि वहां औसत और कमजोर छात्रों के साथ कैसा व्यवहार होता है, उन्हें कितना सहयोग और प्रोत्साहन मिलता है। यह भी सच है कि बहुत से विद्यालय जानबूझकर केवल मेधावी बच्चों पर अधिक ध्यान देते हैं, ताकि उनका परिणाम अच्छा दिखाई दे। कमजोर छात्रों को अक्सर उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। कई बार उन्हें यह महसूस कराया जाता है कि वे विद्यालय की प्रतिष्ठा पर बोझ हैं। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षा में समान अवसर और समान सम्मान सबसे आवश्यक तत्व हैं। यदि विद्यालय ही बच्चों में भेदभाव करने लगेंगे, तो समाज में संवेदनशीलता कैसे विकसित होगी। अभिभावकों की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण है। कई माता-पिता अपने बच्चों की तुलना दूसरों से करने लगते हैं। देखो शर्मा जी के बेटे के 98% आए हैं जैसे वाक्य बच्चों के आत्मविश्वास को तोड़ देते हैं। हर बच्चा अपनी गति और क्षमता के अनुसार सीखता है। जरूरत उसे समझने और प्रोत्साहित करने की है, न कि उसे लगातार दूसरों से कम साबित करने की। बच्चों को यह महसूस होना चाहिए कि वे केवल अंकों के कारण प्रिय नहीं हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और प्रयास भी महत्वपूर्ण हैं। हमें यह भी समझना होगा कि जीवन में सफलता का संबंध केवल परीक्षा परिणामों से नहीं होता। इतिहास ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है, जहां औसत या सामान्य छात्र आगे चलकर महान वैज्ञानिक, लेखक, कलाकार, उद्यमी और नेता बने। दुनिया के कई सफल लोग पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था में टॉपर नहीं थे। उनका आत्मविश्वास, रचनात्मकता और संघर्ष ही उनकी असली ताकत बने। इसलिए बच्चों को केवल प्रतिशत के आधार पर परखना उनके भविष्य को सीमित करना है। विद्यालय यदि सचमुच बच्चों को प्रेरित करना चाहते हैं, तो उन्हें केवल टॉपर्स की तस्वीरें लगाने के बजाय हर उस छात्र की सराहना करनी चाहिए जिसने मेहनत की है।

Social Media Corner

सच के हक में...



गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर के साथ एक बहुत ही खास बातचीत हुई, जिससे भारतीय एथलेटिक्स का भविष्य इतना सुनहरा क्यों है, इसकी एक झलक मिलती है। तमिलनाडु की ग्रीजा अम्मा से हुई अपनी मुलाकात को याद करते हुए, मैंने राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता के बारे में भी बात की। मैंने शिक्षा के क्षेत्र में जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यालया स्कूलों के कार्यों की भी सराहना की। उत्तर प्रदेश के आकाश गुप्ता और गोवा के बालकृष्ण अय्याजी जैसे लोग, जो जल संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, जब हम उन्हें देखते हैं तो वे स्थिरता के बारे में एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। नीदरलैंड से लौटने के बाद से ही, भारत में लाए गए चोल काल के तांबे के थालियों के प्रति मेरे मन में गहरी जिज्ञासा जागृत हो गई है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)



लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। महारानी अहिल्याबाई जी ने न्याय, सुशासन और लोकसेवा को अपने शासन का मूल मंत्र बनाकर जनकल्याण का एक अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया। देश के अनेक तीर्थस्थलों, मंदिरों और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं पुनर्निर्माण के माध्यम से उन्होंने भारत की सनातन चेतना को नई ऊर्जा प्रदान की। देश और समाज के प्रति उनका सेवा भाव और राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

(राजनाथ सिंह का 'एक्स' पर पोस्ट)

औद्योगिक परिवर्तन में अग्रणी भूमिका

ऐसे समय जब दुनिया बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता, ऊर्जा संकट और आर्थिक बिखराव का सामना कर रही है, तब उसके सामने एक बड़ा विकल्प है- क्या देश केवल अपने-अपने सीमित हितों तक सिमट जाएं या फिर ऐसे साझेदारी संबंध मजबूत करें, जो मिलकर विकास, मजबूत और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करें। जब संयुक्त राष्ट्र अपनी 80वीं वर्षगांठ मना रहा है, तब अंतरराष्ट्रीय सहयोग और बहुपक्षीय व्यवस्था का महत्व और भी स्पष्ट हो गया है। यह भी साफ हो चुका है कि वैश्विक शासन संस्थाओं में आज की वास्तविकताओं के अनुसार सुधार करना अब बेहद जरूरी हो गया है। आज जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक बदलाव, सप्लाई चेन में बाधाएं और ऊर्जा परिवर्तन जैसी चुनौतियां सामने हैं। इनसे निपटने के लिए सबको साथ लेकर चलने वाले सहयोग की नई भावना की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन आज दुनिया की सबसे बड़ी और व्यापक चुनौतियों में से एक है। इसका असर भारत, स्वीडन समेत दुनिया की हर अर्थव्यवस्था और समाज पर पड़ रहा है। आज अरबों लोग बेहतर जीवन स्तर, रोजगार, आधुनिक बुनियादी ढांचे और ऊर्जा सुविधाओं की उम्मीद रखते हैं। इसलिए विकास और अवसर पैदा करते हुए टिकाऊ भविष्य की दिशा में आगे बढ़ना कोई विरोधाभास नहीं, बल्कि आज के दौर की सबसे बड़ी आर्थिक और राजनीतिक जिम्मेदारी है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक है। साथ ही, भारत दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन अभियानों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एक बड़े आर्थिक विकास केंद्र और ग्लोबल साउथ की जिम्मेदार आवाज के रूप में भारत ने निकट भविष्य के लिए दो बड़े लक्ष्य तय किए हैं- 2047 तक विकसित देश बनना और 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करना। ये दोनों घरेलू लक्ष्य एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। वैश्विक सहयोग की बदौलत, जिसमें लीडआइटी और भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ शुरू किए गए कई वैश्विक मंच शामिल हैं- जैसे इंटरनेशनल सोलर अलायंस, ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस और मिशन लाइफ-भारत ग्लोबल साउथ की एक जिम्मेदार और प्रभावशाली आवाज बनकर उभरा है। वहीं दूसरी ओर, स्वीडन यूरोप में जलवायु कार्रवाई के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कई दशक पहले लिए गए साहसिक फैसलों की वजह से वहां का बिजली ग्रिड 98 प्रतिशत तक जीवाश्म ईंधन-मुक्त हो चुका है। 1990 के बाद से स्वीडन के उत्सर्जन में एक-तिहाई से अधिक कमी आई है, जबकि इसी अवधि में उसकी अर्थव्यवस्था का आकार लगभग दोगुना हो गया। भारत और स्वीडन की नीतियां इस व्यापक सोच को दशार्ती हैं कि जलवायु कार्रवाई केवल पर्यावरण की रक्षा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह रोजगार और नए अवसर बढ़ा सकती है, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत कर सकती है और लोगों का जीवन बेहतर बना सकती है। लक्ष्य सिर्फ अपने-अपने देशों के विकास को कम-कार्बन बनाना नहीं, बल्कि ऐसी साझेदारियां तैयार करना भी है, जो स्वच्छ औद्योगिकीकरण को संभव बनाएं। इसी भावना के साथ भारत और स्वीडन 17 मई को गोथेनबर्ग में मिले। हरित परिवर्तन केवल पर्यावरण की जरूरत नहीं, बल्कि यह प्रतिस्पर्धा, आर्थिक मजबूती और दीर्घकालिक विकास के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है। भारत और स्वीडन ने 2019 में संयुक्त रूप से संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से शुरू किए गए लीडआईटी (लीडरशिप ग्रुप फार इंडस्ट्री ट्रांजिशन) के माध्यम से इस तरह के सहयोग की अहमियत को साबित किया है। इस पहल ने औद्योगिक क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन कम करने और उन कठिन क्षेत्रों को, जहां उत्सर्जन घटाना आसान नहीं है, वैश्विक जलवायु चर्चा के केंद्र में लाने में मदद की है। इस पहल ने दिखाया है कि विकसित और विकासशील देश भरोसे, नवाचार और साझा जिम्मेदारी के आधार पर मिलकर समाधान तैयार कर सकते हैं, लेकिन आज चुनौती का आकार और उसकी तात्कालिकता ऐसी है कि हमें पहले से कहीं अधिक तेज और बड़े स्तर पर आगे बढ़ना होगा।

तरक्की और ठगी का जाल

इसमें कोई दोराय नहीं कि आधुनिक तकनीक की दुनिया में डिजिटल सेवाओं ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाया है और आज कई तरह की सुविधाएं आम लोगों की पहुंच में हैं। उम्मीद यह भी की गई थी कि जैसे-जैसे सामान्य कामकाज में डिजिटल संसार का दखल बढ़ेगा, वैसे-वैसे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और भ्रष्टाचार पर काबू पाना आसान होगा। काफी हद तक ऐसा हुआ भी है। मगर, इसके समांतर इसी डिजिटल तंत्र के दायरे में अपराध के नए स्वरूप विकसित हुए और आज यह भारत सहित दुनिया भर में एक नई चुनौती बनते जा रहे हैं। पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने कुछ दिन पहले अब तक के सबसे बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह का पदार्फाश करने का दावा किया, जिसमें काल सेंटर के नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पैमाने पर फजीर्वाड़ा किया जा रहा था। फर्जी कंपनी चलाने वाले और ठगी में शामिल एक सौ बत्तीस लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। खबरों के मुताबिक, इस गिरोह में शामिल लोग दूर बैठे कंप्यूटर तक पहुंच हासिल करते थे या फर्जी वायरस और सुरक्षा चेतावनी के जरिए विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते थे। लोगों को ई-मेल और बैंक खाते में सेंध लगने का डर दिखा कर उनसे भारी राशि की ठगी की जाती थी। जाहिर है, डिजिटल दुनिया में जिन आधुनिक तकनीकों को लोगों के जीवन को आसान बनाने और उनकी आर्थिक गतिविधियों को सुरक्षित बनाने के लिए ज्यादा बेहतर बताया जाता है, उसी में अब अपराध का ऐसा संजाल खड़ा हो चुका है, जिसमें हर रोज बड़ी संख्या में लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। पिछले कुछ समय से खासतौर पर डिजिटल अरेस्ट के मामलों में खासी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें दूर बैठे अपराधी सिर्फ स्मार्टफोन पर वीडियो काल के जरिए किसी व्यक्ति को एक तरह से बंधक बना लेते हैं और डरा-धमका कर भारी रकम वसूल लेते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Jimmying open Gymkhana doors

The bubble has burst and nothing will quite set Humpty right again. No committee, court order, heritage note or emotional WhatsApp forward by a wailing cop can quite put it back together. A full-scale attack on clubs is now underway, leaving everyone perplexed about the intent. The touch-me-not charm that clubbers inhabiting these manicured islands of privilege had, is destroyed in a way that can't quite be described by those who haven't felt their bliss.

The roughshod entry of regulatory rulers into these hallowed portals has once again raised the question of what this brouhaha means. And club members will forever feel that horror every time they hear the bells toll.

Let's draw out the three blimps that float around in this debate. First, there are the trustees, committee members, members and their dependents, and those close to the finish line on that forever-waiting list. Then there are the outstation users and frequent guests. Employees, somehow a special worker-class (often hereditary), fall into this second category. In the third circle of the Venn diagram is the larger mass of city dwellers whose aspiration is just to be a powerful auntie in one's resident welfare association, or be part of a colonial club that doesn't entitle one to any fields of fancy, bars of belonging, or floridity of ritual beyond paying the measly dues.Outside these three circles—'Ah, Dante!' a club classicist would exclaim—exists the rest of the world, which is busy with bhajan-based raves for the young and all-night jagratas or prayer circles for the elderly as preferred group kinks. This much larger world—and some would say, the real world—very often doesn't even realise it's living cheek-by-jowl with clubs whose walls they have never attempted to scale.What has been shattered is the sense of colonial continuity that some clubs attempted to replicate in the little nuances they insisted were membership rituals. They used the power vested by perpetual leases to inflict behavioural regulations on those who wished to pass through their portals, escape being blackballed, and had the accountable resources to pay the fees that have become astronomical in recent years. To facetiously comprehend how exclusive these clubs are, one can consider the rumour that their 'strict' vetting process simply involves keeping out anyone who has to ask the price of a gin-and-tonic, which is heavily subsidised anyway.In some cases, the entry regulation was made simply a matter of waiting until the death of an existing member. In others, it was genetically proscribed for some and inscribed for those lucky enough to have some controlling authority able to subpoena a hidden quota. In a few places, there was the fig leaf of producing national-level sportspersons because they had been privileged to be young participants in games they couldn't otherwise afford to attempt.This illusion of exclusivity has lasted much longer than these 70 years. There are seriously important elements of those practices and privileges that are part of almost all democratic countries that have been colonised in the past. The English led by a league, but the Portuguese and French colonisers didn't quite abandon this process. Clubs were created or retained in places they had conquered.At all points, however, exclusivity was the theme. Civility was the veneer that was put on as an overlay. Ensuring that the natives were kept in place and allowing in those who were willing and powerful collaborators—as long as they mimicked and brown-nosed their cruel rulers—was the real game. That carries on to this day. (Remember those quotas?)Today, that same game is made out as an issue of nostalgia, of nationally-vital networking, and sometimes of nepotism disguised by some other convenient name. In the case of some clubs, the membership was automatic for administrators and uniformed star bearers, who otherwise were fleeting birds of passage in most places,cintended to retire.

No twist in the SIR tale

Supreme Court's endorsement must not prompt the ECI to carry on with its present ways



A Daniel come to judgment!" exclaims Shylock in Shakespeare's The Merchant of Venice as Portia concedes his right to Antonio's "pound of flesh".Somewhat similar might be the Election Commission of India's (ECI) reaction after the Supreme Court's (SC) May 27 order sanctifying the Special Intensive Revision (SIR), a process devised by the ECI to eliminate "ineligible" electors.

Unfortunately, in the real world of the Indian electoral system, there was no twist in the SIR tale like the one in the play, when Portia turns the tables on Shylock by denying him "one drop of blood" as he extracts his pound of flesh. The SIR is no Shakespearean play, although it contains a lot of drama and a few tragic elements.The SC judgment, in the process of settling the issues, has unsettled people. It says nothing that is not already contained in law. There is little adjudication; only an unqualified reaffirmation of the letter, no matter if the spirit seems stifled.The order reaffirms the "legality" of the SIR process and the ECI's authority in doing it "in such manner as it may think fit", provided in Section 21(3) of the Representation of the People Act, which was never in doubt even though its "fairness" was challenged. It has stoutly defended the ECI's plenary powers, including its authority to discard time-tested procedures that earned the people's trust. The SC has upheld the "might" of the ECI and left the people with the impression that "might is right" and all that is legal is presumed fair.The farcical element is that while acknowledging the ECI's "institutional expertise", the SC has taken credit for protecting the constitutional rights of the electors through "a series of judicial interventions, which progressively infused the process with safeguards". The Court is unmindful of the wrongful exclusion of electors through the "logical discrepancy" tool and has overlooked the denial of voting rights to over 27 lakh electors who couldn't complete the appellate process conducted under its own supervision in West Bengal.

The SIR became contentious because of the ECI's unprecedented classification of electors in two groups in Bihar: pre- and post-2003, a template for all subsequent exercises of "purifying" the electoral rolls (ER). The more disturbing part was the ECI attaching a "presumption of citizenship" to the pre-2003 electors, thereby cloaking the rest of the electors in a shroud of "non-citizenship". Such "intruders" were asked to produce one of the 11 prescribed documents, to which the SC added the Aadhaar card, knowing full well that none of them was conclusive evidence of citizenship.

It is this central issue of citizenship that remains as ambiguous after the SC judgment as it was before the ECI stirred a hornet's nest on June 24, 2025, when it issued the initial notification. In its judgment, the SC states that the ECI is empowered "to undertake a limited enquiry into citizenship for the purpose of satisfying itself as to eligibility for inclusion in the electoral roll." However, it holds that "such an enquiry does not amount to a determination of citizenship". While this affects the individual's entitlement to be included in the ER, it doesn't "divest the individual of claims of citizenship, nor does it foreclose a determination of that question by the Competent Authority under the Citizenship Act."

What this means is that if the Electoral Registration Officer is not satisfied with the citizenship status of electors, they will not be allowed to remain in the ER and such cases will be referred to the competent authority for finally "determining" citizenship. This implies losing the right to vote even before citizenship is finally determined.A similar exercise was done in Assam a few years ago when doubtful voters were put in the D list and their voting right suspended. To this day, the ECI hasn't divulged how many of these have had their citizenship determined. Shouldn't the SC have asked the ECI to disclose the fate of these electors before prescribing a similar procedure for the future? It simply shrugged its shoulders as if saying, "bad luck if the gravy train of Indian electoral democracy just passed you and you couldn't get on to it. Try another time."

The right to vote may be the most precious gift of the Constitution, but it can be suspended by an unconvinced ECI. The SC order states that being enrolled once as an elector doesn't guarantee continuance because it is a "rebuttable presumption". If found "infected", you could be "quarantined" and must lie "moorchhit" like Lakshman till you find a Hanuman to fetch "jadibooti" to revive you.While the SC has voted in the ECI's favour, it is up to the latter to legitimise its victory by placing in the public domain the "material on record" that convinced the Court that the earlier ER suffered from "cumulative inaccuracies over an extended period" necessitating the comprehensive SIR exercise instead of "piecemeal solutions". It should present a complete report card on the health of the ER following the SIR as per the parameters of "integrity, accuracy and purity" compared to the ER prepared under its own supervision earlier.

The ECI must disclose the number of "ineligible" people whose citizenship was found doubtful through the SIR and refer them within four weeks to the competent authority for adjudicating their citizenship. So far, the ECI has not disclosed this number while providing details of those "permanently shifted, dead or duplicate", entries which are supposed to be removed during the routine ER revision exercise. The ECI must also bring out a compendium of lessons learnt in the first two phases and the improvement in the procedure for future SIR rather than carry on with its present ways because of the SC's endorsement.

Karnataka transition : Siddaramaiah's exit signals a reset

: A big challenge for the Congress is to retain the support of backward classes, minorities and Dalits — communities which have remained loyal to Siddaramaiah

THE resignation of Siddaramaiah as Karnataka Chief Minister has cleared the way for the elevation of his deputy, DK Shivakumar. Siddaramaiah (77), who completed three years of his current tenure last week, has stated that he stepped down at the behest of the Congress high command. The protests across the state by his supporters show that the transition cannot be treated as a routine change in leadership. Siddaramaiah's exit appears to validate speculation about a rotational power-sharing arrangement following the Congress victory in the May 2023 Assembly elections. Though never officially acknowledged, the understanding seems to have shaped the party's internal dynamics in Karnataka.

It's apparent that the 64-year-old Shivakumar could wait no more for the coveted post. The onus would now be on him to prioritise good governance over the next two years and prepare the party for the 2028 poll battle. A big challenge for the Congress is to retain the support of backward classes, minorities and Dalits — communities which have remained loyal to Siddaramaiah. The outgoing CM's reluctance to accept a central role has made the situation more complicated.



Notably, the Congress had persisted with Bhupesh Baghel as Chhattisgarh CM (2018-23) despite the sustained pressure exerted by his colleague and rival, TS Singh Deo. In Punjab, the party eased out Capt Amarinder Singh from the top post barely five months before the 2022 Assembly elections. The drastic step, aimed at countering anti-incumbency, could not save the Congress from finishing a distant second in the polls. Karnataka is central to the grand old party's southern scheme of things, considering that the BJP is a significant player in the state. The Congress top brass needs to ensure that its gamble strengthens the state party unit rather than sharpening the differences between the camps led by Shivakumar and Siddaramaiah.

When Indian viewers tune into Pakistani TV dramas slyly on YouTube channels

What Indian viewers of Pakistani dramas recognise is not Pakistan as a state, but echoes of a shared civilisational past

A 58-year-old woman I know in Chandigarh, a retired schoolteacher and devoted grandmother, recently finished watching the famous Pakistani show Zindagi Gulzar Hai for the fourth time. She also believes, quite firmly, that Pakistan remains India's most irresponsible neighbour. When I mentioned the show to her husband, a retired government officer known for his harsh views on the Pakistan army, his eyes lit up instantly. "Adnan Siddiqui is an exceptional actor," he admitted, before quickly correcting himself: "But don't quote me. I have no love for Pakistan. I just happened to watch it."That awkward disclaimer captures something millions of Indians, particularly Punjabis, quietly experience today. People across Chandigarh, Ludhiana, Delhi and beyond, who hold deeply critical views of the Pakistani state are simultaneously hooked on Pakistani television dramas. They may not watch it openly on TV screens in their living rooms, but slyly on YouTube channels on their phones. It is a contradiction few openly acknowledge.This comes at perhaps the lowest point in India-Pakistan relations in decades. In May last year, India launched Operation Sindoor, following the Pakistan-sponsored Pahalgam terror attack that killed 26 innocent civilians in Jammu and Kashmir. Indian strikes targeted terror infrastructure across Pakistan and PoK. Military exchanges followed. The Indus Waters Treaty remains suspended, diplomatic ties are frozen and bilateral engagement is virtually non-existent.Yet even as commemorative videos of Operation Sindoor circulated this month, viewers across Indian cities were still catching up on episodes of Hania Amir's Meri Zindagi Hai Tu. After the Indian government blocked major Pakistani YouTube channels following the Pahalgam attack, mirror channels emerged almost instantly. The audience seemed to have simply migrated with them.Part of the explanation lies in Punjab's memory. Many families in Indian Punjab still trace their roots to Lahore, Lyallpur, Multan or Jhang. The stories passed down through generations are often stories of homes left behind overnight.My own childhood, like that of many Punjabis, was narrated through memories of cities now in Pakistan. That emotional geography never entirely disappeared. Pakistani dramas unintentionally recreate fragments of that lost world. The language, food, courtyard homes, wedding rituals, family structures and Urdu-blended Punjabi tones feel deeply familiar to many Indian Punjabis. What viewers recognise is not Pakistan as a state, but echoes of a shared civilisational past.



There is also a simpler reason: the dramas are genuinely well-made. For years, Indian television increasingly leaned towards exaggerated melodrama and unrealistic spectacle. Pakistani dramas moved in the opposite direction. Their appeal lies in restraint. Characters resemble ordinary people, homes look lived-in and conflicts revolve around believable emotional tensions: marriage, class, ambitio and family expectations.

That realism has found a massive audience across borders. Several Pakistani dramas have crossed billions of views online. Even after official restrictions, Indian audiences continued finding alternative channels to watch them.

Is this Pakistan's soft power? To an extent, yes. Pakistani dramas have succeeded in creating familiarity where official diplomacy repeatedly collapses.

Just as Bollywood has long been Pakistan's guilty pleasure, India may have quietly conceded an edge to its neighbour in the human business of television drama. But we should be careful about overstating what this means at the level of statecraft.

In November 2008, then Pakistani President Asif Ali Zardari spoke at a conference in Delhi and reflected on how Indians and Pakistanis still carried traces of one another despite the Partition. The remarks were warmly received, but within days came the 26/11 Mumbai terror attacks. The contrast was brutal and unforgettable: cultural warmth on one side, terrorism on the other.

That tension still defines the relationship today.

Pakistan's sponsorship of cross-border terrorism is not a diplomatic misunderstanding. It is a long and documented reality with devastating consequences for Indian civilians and security personnel alike. The Pahalgam attack reinforced why Indian concerns remain legitimate and non-negotiable.

At the same time, Indian viewers who enjoy Pakistani dramas while supporting firm action against terrorism are not being contradictory. They are caught up between a hostile security establishment and popular culture. That distinction rarely appears in official rhetoric, but it exists quietly inside millions of Indian homes.

None of this implies naivety. When families in Ludhiana or Amritsar watch scenes that resemble conversations once common in undivided Punjab, what they experience is less political reconciliation than cultural familiarity.Cultural consumption cannot substitute for accountability, nor does it erase decades of violence, mistrust and hostility. But it does reveal something worth noticing: even during periods of extreme political hostility, people continue consuming stories that feel emotionally recognisable. A year after Operation Sindoor, trade is frozen, diplomacy is minimal and mistrust dominates the relationship. Yet Pakistani dramas continue to find Indian audiences, even if many viewers discuss them almost with guilt.

Indians are buying homes with money they haven't earned yet

As home prices race ahead of incomes, more Indians are stretching EMIs into retirement, cutting savings and relying on decades of future earnings to keep the dream of homeownership alive. This is the story of how India's housing dream is increasingly being financed by tomorrow's income.

New Delhi,.(Agency)

There was a time when buying a home came after years of saving. Families would build a down payment over time, buy within their means and take a home loan that could be comfortably repaid before retirement.Today, that journey is beginning to look very different.

Across India's biggest cities, homebuyers are increasingly starting their housing search not by deciding what they can afford, but by asking banks how much they can borrow. The answer often determines not just the home they buy, but how much of the next 20 to 30 years of their income is already committed.As property prices continue to rise faster than incomes in many urban centres, homeownership is increasingly being supported by longer loan tenures, larger mortgages, dual-income households and future earnings that have not yet been made.The result is a growing concern among economists, personal finance experts and real estate professionals: Are Indians buying homes with money they have, or with money they hope to earn over the next three decades?

FROM AFFORDABILITY TO ELIGIBILITY

One of the clearest signs of the shift can be seen in how people shop for homes today.

"A few years ago, buyers would typically choose the asset, determine a comfortable budget first and then seek financing accordingly," says Pratyush



Pandey, Founder of AARE Consulting.

", a large number of buyers begin the process by asking lenders what their maximum eligible loan amount is and then searching for homes within that financing capacity."Pandey says this trend is particularly visible among first-time homebuyers in cities such as Mumbai, Delhi-NCR, Bengaluru and Hyderabad."The focus has moved from affordability-led buying to eligibility-led buying," he says.That distinction may sound subtle, but financial advisers say it is reshaping how Indian households approach one of the biggest financial decisions of their lives.Abhishek Kumar, Sebi-registered investment adviser and founder of Sahaj Money, says many buyers confuse what a bank is willing to lend with what they can comfortably afford."The most common mistake is confusing maximum bank loan eligibility with true personal affordability," he says."Buyers often look only at the basic EMI while completely ignoring maintenance costs, property taxes, registration expenses and the impact of future interest-rate hikes."

WHY 30-YEAR HOME LOANS ARE BECOMING NORMAL

The reason behind this shift is simple: homes are becoming harder to afford.

According to Dr Manoranjan Sharma, Chief Economist at Infomerics Ratings, housing affordability in many Indian cities has deteriorated sharply.He points out that price-to-income ratios in major cities now range between 7 and 10, compared to the globally accepted affordability benchmark of below 5.

Leaving your job? Here is what form 10C does and when you need it

New Delhi,.(Agency)

Switching jobs or stepping away from work entirely comes with a fair amount of paperwork. If you have been contributing to the Employees' Pension Scheme, one form worth understanding before you move on is Form 10C.Form 10C is the document EPFO members use to claim benefits under the Employees' Pension Scheme after leaving a job. It serves two distinct purposes depending on where you are in your career — you can either use it to pull out the pension amount sitting in your EPS account, or you can use it to get a Scheme Certificate that keeps your pension benefits alive for future employment.Two situations where it comes into playThe first is a straightforward withdrawal. If you are leaving a job before completing 10 years of pensionable service and do not plan to return to an EPF-covered organisation, you can apply to withdraw whatever has accumulated in your EPS account.The second option is the Scheme Certificate route. If you are moving to another job in the organised sector and want to carry your pensionable service forward rather than cash it out, this certificate protects that history and keeps your future pension eligibility intact.

Who can apply

You are eligible to file Form 10C if you left your job before hitting the 10-year service mark, if you turned 58 without completing 10 years of pensionable service, if you are changing jobs and want to safeguard your pension record through a Scheme Certificate, or if you are a nominee or legal heir claiming EPS benefits following the death of a member.One important point — if you have already completed 10 or more years of pensionable service, withdrawal is not an option. You can only get a Scheme Certificate and will become eligible for a monthly pension once you reach retirement age.

Resilient India faces headwinds from Wasia, weak monsoon outlook: Finance Ministry

BENGALURU .(Agency)

India's economy remains resilient despite escalating global uncertainties triggered by the conflict in West Asia, but rising energy prices, a weakening rupee, mounting inflationary pressures and the prospect of a below-normal monsoon pose significant risks to growth and price stability, the Finance Ministry said in its Monthly Economic Review (MER) for May 2026.The ministry said the near-term outlook for the economy is one of cautious resilience, with domestic fundamentals remaining broadly intact. Manufacturing and services activity continues to expand, the labour market remains stable and the country's foreign exchange reserves provide a substantial buffer against external shocks.

However, it cautioned that the global environment has become materially more challenging since the outbreak of the West Asia conflict, with elevated crude oil prices, tighter financial conditions and slowing growth across major economies creating headwinds that India cannot fully escape."The near-term outlook for the Indian economy is one of cautious resilience," the report said, while warning that forecasts of a below-normal monsoon and a likely moderation in economic activity could weigh on consumption demand in the months ahead.The review noted that the conflict has disrupted energy markets, trade routes and supply chains, reviving inflationary pressures globally. Brent crude averaged $120.4 per barrel in April before easing to $108.3 in May, while supply-chain disruptions intensified.

LIC plans foray in fintech space, strategic investment also on table: CEO

New Delhi.(Agency)

Insurance giant LIC is actively considering establishing a fintech arm either through strategic investment or organic way to cater to its growing digital needs, CEO and MD R Doraiswamy said.

"Naturally, to meet the modernisation requirement and particularly to bring innovation, we are engaging both fintech and insurtech players and we are getting a lot of new things being developed by such players," Doraiswamy told PTI in an interview.On the other side, he said, "we are a big financial institution investing in multiple organisations and we also look at strategic investments in any specialised player as a way of improving the returns on the policyholders' funds." Talking about Life Insurance Corporation of India's IT journey, he said, it was one of the early adopters of digital technologies.We have built our own core competence in developing our business applications by building up a software development centre. We have sizable number of people working in our IT department creating the IT solutions for us but that does not mean that we can be totally self-dependent. We engage a lot of IT service providers for the new infrastructure and platforms," he said.Doraiswamy, who had spearheaded the modernization of IT infrastructure and Business Applications of LIC's Individual Business as Executive Director, said, the Corporation need to have both its own core development teams as well as the support of IT players."So, both go hand in hand...we are engaging the fintech players but whether it can be a strategic partner, we are looking at various options available and we may be coming up with something...our first aim is to modernize our IT applications and become as agile and nimble-footed as possible to remain relevant in the competition," he said.LIC is currently evaluating value proposition of various options on the table, he added.Asked if LIC is prepared for further dilution of stake by the Centre, Doraiswamy said, "We have been prepared right from day one. When we started preparing for the IPO, we were prepared for this kind of subsequent actions as well. So the call is taken by the government.

RBI rate decision and US-Iran tensions set to keep markets on edge next week

New Delhi.(Agency)

Indian stock markets took a sharp hit on Friday, with a heavy selloff in the last hour of trading wiping out most of the day's cautious stability. Investors chose to step back ahead of several big developments expected to shape market direction next week.The Sensex dropped 1,092 points or 1.44 percent to close at 74,775.74. The Nifty fell 359 points or 1.50 percent to settle at 23,547.75. At its lowest point during the session, the Nifty touched 23,485 before recovering slightly into the close.For most of Friday, markets moved within a tight range. Investors were sitting on the fence, uncertain about how talks between the United States and Iran might play out. That caution turned into active selling toward the end of the day, and the decline spread across sectors rather than being limited to one or two areas.What markets will be watching next wee

The Reserve Bank of India's Monetary Policy Committee meeting runs from June 3 to June 5, 2026. The six-member panel, led by Governor Sanjay Malhotra, will take up interest rates, inflation, liquidity, and the broader



growth outlook. Whatever the committee decides — or signals — is likely to set the tone for markets in the days that follow.On the global side, the US-Iran situation remains fluid. Iranian state media reported that a proposed agreement between the two countries includes the release of USD 12 billion in frozen Iranian assets. The report cited what it described as an unofficial draft of the deal. The White House, however, pushed back on similar claims earlier in the week, calling them a fabrication.

Markets are watching this closely given how quickly the situation can shift.Crude oil prices fell sharply on Friday, dropping more than 2 percent to hit their lowest level in six weeks. The decline came on hopes of a ceasefire involving the US, Israel, and Iran. For India, which imports a large share of its oil needs, lower crude prices are a meaningful positive — they ease the import bill, reduce pressure on the rupee, and help keep inflation in check.

What to watch

The coming week brings a packed calendar. The RBI policy decision, any fresh developments on the US-Iran front, crude oil price movements, and the behaviour of foreign institutional investors will all be closely tracked. Together, these factors are likely to determine whether markets find a floor or face further pressure.

PAN card rules have changed in 2026: Here is what you need to know

New Delhi.(Agency)

The government has updated several rules around when you need to quote your PAN card. Some transactions have gotten simpler — you no longer need to share your PAN for smaller dealings. But for high-value financial activity, the rules have gotten stricter. Cash deposits below revised limits — The earlier rule required PAN details for any cash deposit above Rs 50,000 in a single day. That threshold has now been eased for smaller deposits, reducing the paperwork burden for routine banking.Vehicle purchases — You no longer need to furnish PAN for every vehicle purchase. The requirement now kicks in only when the vehicle costs more than Rs 5 lakh.Bank drafts and pay orders — The rules around quoting PAN for cash payments toward bank drafts, pay orders, and banker's cheques have been loosened. That said, authorities will still keep an eye on cumulative transactions through the year.

Property transactions — The threshold for mandatory PAN submission in property deals has been doubled. PAN is now required only when the transaction value crosses Rs 20 lakh, up from the earlier Rs 10 lakh limit.Hotel, restaurant, and event payments — For cash payments at hotels, restaurants, banquet halls, and event venues, PAN is now needed only if the amount exceeds Rs 1 lakh. The earlier cutoff was Rs 50,000.Where PAN remains compulsory

Large cash deposits and withdrawals — If your total cash deposits or withdrawals in a financial year cross Rs 10 lakh, PAN is still required. The focus has shifted from single-day transactions to annual totals.

Insurance policy purchases — PAN is now mandatory for buying any insurance policy, regardless of the premium amount. This is a tightening of the earlier rule, which only applied to higher-value premiums.High-value property deals — For property transactions above Rs 45 lakh, PAN is non-negotiable. The scope for using alternative declarations in such cases has also been narrowed.Foreign travel and currency — Cash payments above Rs 50,000 for foreign travel packages or foreign currency purchases in a single transaction will continue to require PAN.Fixed deposits and time deposits — Banks, post offices, NBFCs, and other financial institutions will ask for PAN if a deposit exceeds Rs 50,000 at one time or crosses Rs 5 lakh over the course of a financial year.

Mutual funds, bonds, and debentures — Investments of more than Rs 50,000 in mutual funds, bonds, or debentures still require PAN details, and that has not changed.

Govt revises fuel export levies for fortnight beginning June 1; no impact on domestic petrol, diesel rates - Check

New Delhi.(Agency)

The Centre has revised export levies on petrol, diesel and aviation turbine fuel (ATF) for the fortnight beginning on June 1, 2026. However, the government has left excise duty rates on petrol and diesel sold in the domestic market unchanged.The duty has been set at Rs 1.5 per litre on petrol exports, Rs 13.5 per litre on diesel exports and Rs 9.5 per litre on ATF exports, as per an official notification, IANS reported. According to the notification, the revised rates have been prescribed based on the average international prices of crude oil, petrol, diesel and ATF prevailing during the period since the last review.Export leviesEarlier, on March 27, 2026, the export levies were introduced to ensure domestic availability of petroleum products by discouraging exports in the backdrop of the West Asia crisis.

The last revision came into effect on May



16, 2026.On May 16, the government revised export taxes on petroleum products, imposing a special additional excise duty (SAED) of Rs 3 per litre on petrol exports while reducing the duty on diesel to Rs 16.5 per litre.

The notification by the Ministry of Finance stated that the entry of Rs 3 per litre shall be substituted for petrol exports, while diesel has been revised to Rs 16.5 per litre. It further clarified that the road and infrastructure cess has been reduced to zero on petrol and diesel exports. Notably, the domestic fuel tax rates remained unchanged.Earlier, export duty on diesel was revised multiple times. It was first set at Rs 21.50 per litre on March 26, then raised to Rs 55.5 per litre on April 11. Later, it was cut to Rs 23 per litre on April 30, and has now been further reduced to Rs 16.5 per litre.The ATF followed a similar pattern. The duty was first Rs 29.5 per litre, then increased to Rs 42 per litre. It was later reduced to Rs 33 per litre and has now been brought down to Rs 16 per litre.

India reduces diesel and ATF export duties, keeps domestic taxes unchanged

The government has cut export duties on petrol, diesel and aviation turbine fuel for the fortnight from June 1. The move follows its price-linked review mechanism, while domestic fuel excise and retail rates remain unchanged.

New Delhi.(Agency)

The government has reduced export duties on petrol, diesel and aviation turbine fuel (ATF) for the fortnight beginning June 1, 2026, as part of its periodic review of levies imposed on petroleum product exports.According to a notification issued by the government on Saturday, the export duty on petrol has been cut to Rs 1.5 per litre, while the duty on diesel has been reduced to Rs 13.5 per litre. Export duty on aviation turbine fuel has also been lowered to Rs 9.5 per litre.The revised



rates will come into effect from June 1 and remain applicable for the next fortnight. The government reviews these duties every two weeks based on prevailing international prices of crude oil and refined petroleum products.The export levies, comprising the Special Additional Excise Duty (SAED) and the Road and Infrastructure Cess (RIC), were introduced on March 27, 2026, amid escalating geopolitical tensions in West Asia. The move was aimed at ensuring adequate domestic availability of petroleum products by discouraging excessive exports during a period of heightened uncertainty in global energy markets.

THE REVISED STRUCTURE

Under the revised structure, petrol exports will attract only a Special Additional Excise Duty of Rs 1.5 per litre, while diesel exports will be subject to an SAED of Rs 13.5 per litre. ATF exports will continue to attract only the SAED component at Rs 9.5 per litre.The latest revision marks a significant reduction from the rates announced on May 16. At that time, the government had raised the export duty on petrol to Rs 3 per litre while reducing duties on diesel and aviation fuel to Rs 16.5 per litre and Rs 16 per litre, respectively.

Officials said the fortnightly revisions are based on average international prices of crude oil, petrol, diesel and ATF recorded since the previous review period. The mechanism is intended to allow the government to respond quickly to fluctuations in global energy markets while balancing domestic supply requirements.

The government also clarified that there is no change in the existing excise duty rates applicable to petrol and diesel sold in the domestic market. As a result, consumers are unlikely to see any immediate impact on retail fuel prices from the latest revision in export duties.

Loud bang, flames: Aviation probe details SWISS flight engine failure in Delhi

New Delhi.(Agency)

The Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) has released its preliminary report into the serious incident involving a Swiss International Air Lines flight that suffered an engine failure during take-off at Delhi's Indira Gandhi International Airport on April 26.According to the report, SWISS flight LX147 from New Delhi to Zurich was involved in a rejected take-off at around 1:27 am after the failure of its left-hand engine.

The AAIB has categorised the occurrence as a "serious incident" that left six people injured.The Airbus A330-343 was carrying 245 people on board, including 232 passengers and 13 crew members.

The preliminary report said the flight crew rejected the take-off after the aircraft's left-hand engine failed at a speed of about 106 knots. The pilots immediately informed air traffic control and requested emergency assistance.

The crew later reported hearing a "loud bang" and observing a large flame emanating from Engine No. 1. The aircraft reportedly veered to the left before the pilots successfully brought it to a stop on the runway.

A full emergency was declared at Delhi Airport, with all seven emergency gates opened. Four passengers sustained injuries during the incident.As part of the investigation, the AAIB carried out a visual inspection of the aircraft and observed small metal particles and debris in the exhaust section of the affected engine.



Both flight recorders -- the Solid State Flight Data Recorder (SSFDR) and the Solid State Cockpit Voice Recorder (SSCVR) --have been removed for further analysis. The bureau said crew data, flight data and air traffic control records are being examined as part of the ongoing probe.

The AAIB said the engine involved in the incident will be retrieved for a detailed examination to determine the root cause of the failure.

France's Bureau of Enquiry and Analysis for Aviation Safety (BEA) has appointed an accredited representative to assist the investigation, while Airbus and the European Union Aviation Safety Agency (EASA) have also been associated with the probe.

The preliminary report noted several findings during the engine examination. External observations before the borescope inspection found broken bolts and spacers of the high-pressure/intermediate-pressure bearing support in the thrust reverser ducts.

High-pressure bleed valves were also found partially blocked with debris.During the core engine borescope inspection, investigators observed damage to the High Pressure Turbine blades and Nozzle Guide Vanes.Damage was also found in the Intermediate Pressure Turbine blades, Low Pressure Turbine blades, and High Pressure Compressor blades and stator vanes.

The report said the high-pressure shaft and intermediate-pressure shaft were seized, preventing a complete inspection.However, investigators found no signs of impact damage or blade distortion in the Intermediate Pressure Compressor, although the IPC shaft was also seized and could not be fully inspected.The AAIB said further analysis of the engine and flight recorder data is underway and safety recommendations may be issued at a later stage.

Four-storey building crashes to rubble in Delhi's Saket, eight people rescued to safety

New Delhi.(Agency)

Several people are feared trapped under the debris after a four-storey commercial building collapsed near Saket Metro station in south Delhi on Saturday evening, officials said.

The incident occurred on Western Marg in Saidulajab. According to officials at the site, the entire structure collapsed into a massive mound of rubble. Police said the building housed a coaching institute on the ground floor, while construction work was underway on the upper floors.Eight people trapped under the debris were rescued safely and taken for treatment with minor injuries, the officials said.

"It was a glass-facade commercial building and no one can say with certainty how many occupants were present inside at the time of the incident," a resident said.A small adjoining building housing a mess was also affected, though people there were evacuated safely. Apart from a few minor injuries, no major casualties have been reported so far.

The Delhi Fire Services received a call about the collapse at 7.44 pm and rushed seven fire tenders to the spot. Rescue teams, police personnel and local residents launched search operations amid heaps of concrete, twisted metal and broken pillars. Residents used mobile phone flashlights to assist rescue efforts as emergency teams searched for possible survivors trapped beneath the rubble.

Officials said the number of people trapped remains unconfirmed. Rescue operations were underway at the time of filing this report, and further details are awaited.

Liveable city needs active citizen participation: Delhi L-G Sandhu

New Delhi.(Agency)

L-G Taranjit Singh Sandhu on Saturday interacted with fitness enthusiasts, senior citizens, community groups and residents at Bonta Park in Kamla Nehru Ridge, emphasising citizen participation in building a healthier, greener and more liveable capital.The visit reflected the spirit of Prime Minister Narendra Modi's Fit India Movement, with the park serving as a hub for recreation, fitness and community engagement. Sandhu said accessible and well-maintained public spaces are



essential for promoting health, well-being and social cohesion.

The L-G received a warm welcome from a yoga group, which greeted him with a laughter yoga session. The park, which attracts around 4,000 visitors daily, has emerged as a popular public space combining recreation, fitness and environmental awareness.

During the visit, Sandhu met representatives of community organisations and sports groups and heard suggestions on park infrastructure, cleanliness, accessibility and visitor amenities.

Stressing collective ownership, he said, "This is your park. Delhi belongs to all of us, and its development and upkeep are our shared responsibility."

DDA officials and ecological experts briefed him on efforts to strengthen the Ridge ecosystem, including plans for biodiversity zones aimed at improving ecological health and creating a more resilient urban habitat.Citizens also raised concerns regarding park boundaries, entry points, water facilities, rain shelters and cleanliness.

Delhi police busts ISI-underworld module, eight held in terror conspiracy case

New Delhi.(Agency)



Delhi Police said on Saturday that it has busted a terrorist-criminal network linked to Pakistan's Inter-Services Intelligence (ISI) and the Mumbai underworld. The Special Cell arrested eight people, including a Nepalese national, in the operation.

The police claimed the accused were conspiring to carry out grenade attacks and targeted shootings at vital installations, security establishments, and police personnel in Delhi and other parts of the country.

The police said the accused worked at the behest of ISI handlers Shahzad Bhatti, Munna Jhingada, and Yawar Khan. Jhingada is a Dawood Ibrahim's henchman, who is accused of carrying out an attack on Chhota Rajan in Bangkok in 2000 at Ibrahim's behest. Jhingada remained in a Thai jail for 17 years for the attack.

The Special Cell recovered four Pakistan-made hand grenades, two Glock pistols, and 24 live rounds from three operatives held in the operation.

The accused have been identified as Vijay, alias Shooter, 23, a resident of Uttar Pradesh; Nitish Paswan, 23, a resident of Jharkhand; Taoqeer Rizwan Ahmad Shaikh, 27, and Sajid Mehboob Shaikh, alias Arbaz Khan, 27, both residents of Maharashtra; Harvinder Singh, 28, Gagandeep Singh, 28, and Manjeet Singh, 23, all residents of Punjab; and Lama Ang Kami, 66, from Nepal. Lama was tasked to arrange a hideout for operatives in Delhi and handle finances for Jhingada.

Special Commissioner of Police (Special Cell) Anil Shukla said the arrests led to the dismantling of an international network. The module was involved in a criminal conspiracy to execute grenade attacks and firing at vital installations, security establishments and cops in Delhi and Mumbai, he said.

58-year-old man held for using NGO bank account in Rs 5 crore cheque scam in Delhi

New Delhi.(Agency)



The Economic Offences Wing (EOW) of Delhi Police has arrested a 58-year-old man for his alleged involvement in a cheque forgery and bank fraud case involving more than Rs 5 crore, officials said on Saturday.

The accused, identified as Sudama Narware, was arrested from Betul district in Madhya Pradesh. According to police, he allegedly played a key role in diverting funds fraudulently withdrawn from the account of a university through forged cheques.

The case was registered on the complaint of an Assistant General Manager of a public sector bank regarding the fraudulent withdrawal of Rs 6.25 crore from the university's account.

Police said that in August 2019, three forged cheques purportedly issued by the university were presented for clearance. Two cheques were cleared through a private bank, resulting in the transfer of Rs 5.20 crore to separate accounts in Vadodara, Gujarat, and Betul, Madhya Pradesh. Payment on the third cheque was stopped before clearance.

During the investigation, police examined bank records and found that Rs 2.5 crore was credited to the account of a firm, NS Infrastructure, in Vadodara, while Rs 2.7 crore was deposited into the account of an NGO in Betul, a senior police officer said.

According to DCP (EOW) Subodh Kumar Goswami, Narware was the secretary and authorised signatory of the NGO. He allegedly transferred `2.07 crore from the NGO's account to another accused, after which the money was routed through five alleged shell firms in Delhi. Three accused have already been arrested, while further investigation is underway.

980 tankers and 6,000 daily trips govt solution for water supply deficit in Delhi

CM Rekha Gupta reviewed the city's drinking water situation through a video conference meeting with senior officials, including Water Minister Parvesh Sahib Singh and Delhi Jal Board representatives.



New Delhi.(Agency)

Amid reports of water shortages in several parts of the capital, the government on Saturday said it is focusing on both immediate relief measures and long-term solutions to address the water crisis and strengthen future water security.

CM Rekha Gupta reviewed the city's drinking water situation through a video conference meeting with senior officials, including Water Minister Parvesh Sahib Singh and Delhi Jal Board representatives.

Following the meeting, Gupta said the Haryana government has assured Delhi of a minimum supply of 1,000 cusecs of water through the Munak Canal after she spoke with Haryana Chief Minister Nayab Singh Saini. She said ensuring adequate drinking water supply remains one of the government's top priorities.

Officials informed the meeting that more than 980 DJB tankers are making over 6,000 trips daily to supply water across the city. Small tankers have also been deployed in densely populated areas and narrow lanes. Additional borewells in the Yamuna Khadar area have increased water production capacity by 10.5 MGD per day.

The chief minister directed officials to treat every water leakage incident seriously. She also asked DJB officials to personally monitor complaints and conduct field inspections when necessary. Of the 11,055 complaints received on the DJB helpline during the past week, more than 8,500 have been resolved. Gupta directed officials to ensure prompt redressal of the remaining complaints.

General NS Raja Subramani takes charge as India's new Chief of Defence Staff

New Delhi.(Agency)

General NS Raja Subramani on Saturday officially assumed charge as India's third Chief of Defence Staff (CDS), succeeding General Anil Chauhan, who retired after serving in the post for three-and-a-half years. The change of command was marked by a ceremonial Guard of Honour at the South Block lawns in New Delhi.

An officer of the Garhwal Regiment, General Subramani previously served as Military Adviser to the National Security Advisory Committee, where he played a key role in strategic assessments and inter-agency coordination on national security matters.

Upon taking charge, the new CDS expressed gratitude for the trust reposed in the armed forces and outlined his priorities for the future. He said strengthening jointness, synergy and integration among the Army, Navy and Air Force would remain a key focus area."I am honoured to assume charge as the Chief of Defence Staff. We are committed to implementing the Prime Minister's vision of JAI — Jointness, Atma Nirbharta and Innovation," General Subramani said.



He emphasised that organisational reforms and the transformation of the armed forces would continue to be pursued to enhance operational effectiveness. Highlighting self-reliance as a cornerstone of national security, he said efforts would be intensified to accelerate the development, induction and integration of indigenous weapons and defence technologies.

THE KEY AREAS TO FOCUS

General Subramani also underscored the importance of innovation in military modernisation, calling for greater collaboration between the armed forces, industry, academia, startups and the research ecosystem. "Innovation in thought and action will drive our capability development," he said.

Paying tribute to his predecessors, the new CDS acknowledged the contributions of late General Bipin Rawat, India's first Chief of Defence Staff, and General Anil Chauhan for their leadership in advancing military integration and reforms.

He also reiterated the armed forces' commitment to safeguarding India's sovereignty and territorial integrity while stressing that the welfare of soldiers, sailors, air warriors, veterans.

NEWS BOX

Trump asked for tougher terms in proposed Iran war deal: US media

WASHINGTON: (Agency)

: President Donald Trump has sought to change several terms of a proposal to end the Iran war, US media reported Saturday, as a finalized deal remains elusive among the parties.The New York Times reported Trump's changes involved toughening the terms of the deal, and has sent the new framework back to be considered by Iran, according to officials familiar with the proceedings.The report said it was not immediately clear what the changes entailed, but news site Axios reported Trump wanted to reinforce multiple points of the deal that he personally felt were important, such as what is done to Iran's nuclear material.

The new tweaks could prolong negotiations between the parties for days before a decision is reached on whether the deal would end the war which began after



the US and Israel launched joint strikes on Iran on February 28.US sources had told AFP that the proposal had been waiting on Trump's sign-off, but he made no decision after a White House Situation Room meeting on Friday.

Trump has said his priorities for any deal included Iran agreeing to never develop nuclear weapons and the re-opening of the blockaded Strait of Hormuz, through which roughly 20 percent of the world's oil supply transits.

Meteor Explodes Over US With Force Equal To 300 Tonnes Of TNT, NASA Confirms

World. (Agency)

A large meteor streaked through the sky of Massachusetts, US, on Saturday and exploded with the energy of roughly 300 tonnes of TNT, according to NASA and other monitoring data. The space rock, roughly around 3 metres wide, entered Earth's atmosphere at high speed, heating up and glowing brightly. When it exploded, it released an intense flash of light and set off booms that echoed across the region. Users, especially those who live in Boston, flooded the social media platforms with reports of the explosion. Some users even claimed that the sound was so powerful that houses were shaking.

Scientists track these events using sensors designed to detect atmospheric explosions. Though it occurred miles above the ground, there was no impact damage. Most meteors burn up completely before reaching the surface. When one of these sizes explodes, it creates a loud boom and a fireball, often mistaken for lightning by people on the ground.This fireball was not associated with any currently active meteor shower, but it was a natural object and not a re-entry of space debris or a satellite," Jennifer Dooren, who is the US space agency's deputy news chief, told news agency in AFP in a statement. "The energy released at breakup is estimated to be equivalent to about 300 tons of TNT, which accounts for the loud booms."According to Dooren, the meteor was travelling at 75,000 miles per hour (more than 120,000 km/h) at an altitude of 40 miles when it exploded.According to the American Meteor Society, the booms heard at about 2:30 pm (local time) were actually caused by a meteor. As quoted by CNN, fire programme monitor Robert Lunsford that the they received dozens similar of reports from Delaware to Montreal with people either hearing the double boom,

Indian-origin Disney manager Jugal Daterao gets 2.5-year jail term in Russia over drug case

World. (Agency)

An Indian-origin manager at The Walt Disney Company has been sentenced to two-and-a-half years in a Russian prison after being convicted of drug possession and smuggling. The case stemmed from THC-infused gummy candies that were allegedly found in his luggage at a Moscow airport.According to Russian state media TASS, 46-year-old Jugal Daterao was arrested in January 2026 at Sheremetyevo International Airport after arriving on a flight that transited through Qatar. Customs officials allegedly found cannabis-infused gummy sweets during a routine baggage inspection.A court in Russia's Moscow region convicted Daterao of drug possession and smuggling, sentencing him to two years and six months in a medium-security penal colony. He was also fined 30,000 roubles (around $420).During court proceedings, Daterao argued that the gummies had been legally prescribed in the United States to help manage the long-term effects of brain surgery. However, the court rejected the defence and found him guilty under Russian drug laws.

Russian media identified Daterao as an Indian citizen, although it remains unclear whether he also holds US citizenship, Moscow Times reported.

Soaring prices during the Iran war jeopardize travel to tourism-dependent countries in Asia

The region's peak tourist summer season is at risk as elevated jet fuel costs coupled with ceasefire uncertainties prompt flight cancellations and higher ticket prices.

BANGKOK. (Agency)

With summer around the corner, soaring prices and other complications from the war with Iran are straining the tourism-dependent economies of countries in Southeast Asia, including Thailand and Vietnam.The region's peak tourist summer season is at risk as elevated jet fuel costs coupled with ceasefire uncertainties prompt flight cancellations and higher ticket prices.Tourism in Asia has yet to fully recover from the COVID-19 pandemic. Now, many countries are coping with the war's repercussions for global energy supplies and prices, which hit Asia first and hardest. Some families are pulling back on travel as visiting gas stations and grocery stores gets more expensive worldwide. Crowds have thinned at some places once synonymous with travel."With gasoline prices rising and tourism declining, how can we make money?" asked Siv Pech, a 58-year-old tuk-tuk driver in Siem Reap, home to Cambodia's centuries-old Angkor Wat temple complex.

Tourism is an economic lifeline for many developing nations. It contributes nearly 13% of gross domestic product in Thailand and nearly 9% in Vietnam, and it underpins millions of jobs in Cambodia. Travelers bring in much-needed foreign currency for import-dependent economies such as the Philippines and Nepal.Those tourism dollars are more critical than ever as war-driven spikes in oil prices push up the cost of fuel imports, especially for parts of the world that relied on the Strait of Hormuz off Iran's coast as a conduit for much of their oil and gas.The war will determine which tourism businesses can survive long enough to benefit from the eventual return of travelers, said Jitsai



Santaputra of The Lantau Group, an energy industry consulting firm. "This, happening within five years of each other, first the pandemic and now the war, is horrible for the tourism industry," she said.

Iran war raises travel costs

Jet fuel shortages and surging costs have led Vietnam Airlines, the Malaysia-based AirAsia group, Hong Kong's Cathay Pacific and other carriers to cut flights or re-adjust schedules.European carriers face a squeeze from similar issues.Airspace closures across the Persian Gulf early in the war and the intermittent closures of certain Gulf airports cut off key layover locations for Asia-bound flights or forced commercial airplanes to take longer, costlier routes.Airfares have jumped, with airlines like Air India and Cathay Pacific implementing sharp increases in fuel surcharges.Cathay Pacific's fuel surcharge for medium-haul flights has jumped to 633 Hong Kong dollars ($80) from 264 Hong Kong dollars ($34) before the war. For long-haul flights, it increased to 1,362 Hong Kong dollars ($174) from 569 Hong Kong dollars ($73)."Jet fuel prices remain at highly elevated levels" and have increased cost pressures, said Lavinia Lau, Cathay's chief customer and commercial officer. Travelers are booking closer to their departure dates, she said, indicating growing unease.

Sandra Awodele, a freelance travel writer in the Washington area, often plans year-round international trips and hoped this summer would finally be the one she crossed Asia off her bucket list.

Russia says Ukrainian drone hit Zaporizhzhia nuclear plant, Kyiv denies claim

Rosatom said a Ukrainian drone struck the turbine hall of Unit 6 at the Russian-controlled Zaporizhzhia nuclear plant. Ukraine denied the claim as propaganda, renewing concern over military activity around the site.

World. (Agency)

Russia's state nuclear energy company Rosatom said on Saturday a Ukrainian drone had struck the Russian-controlled Zaporizhzhia nuclear plant, Europe's largest, causing no damage to



key equipment, but the Kyiv military denied it.Rosatom's head Alexei Likhachev called the incident "deliberate" and said it left a hole in the wall of a turbine hall"This afternoon, a Ukrainian kamikaze combat drone struck the turbine hall building of Power Unit No. 6, resulting in a subsequent detonation," Likhachev said in a statement."The explosion caused no damage to the primary equipment; however, it tore a hole in the turbine hall wall."Ukraine's military denied the Russian claims as "yet another propaganda ploy." It said that the Ukrainian troops did not strike power unit No. 6 at the Zaporizhzhia Nuclear Power Plant."Ukrainian servicemen act strictly within the international humanitarian law and are fully aware of the consequences of any actions targeting nuclear facilities" the military said in a statement.

"At the relevant section of the front line, there was no active fighting during the incident, and no weapons were used."

The Zaporizhzhia nuclear plant was captured by Russia in March 2022 and remains close to the frontline in the southeastern Ukrainian Zaporizhzhia region.The plant has occasionally come under fire during the four-year-long war, raising fears of a nuclear accident at the facility.

Japan defence chief takes swipe at China at security meet

SINGAPORE. (Agency)

Japan's defence minister took a veiled swipe at China on Sunday, pledging to keep strengthening the military despite Beijing's criticism of Tokyo's increasingly muscular security stance.

Under Prime Minister Sanae Takaichi, Japan has quickened its pivot towards a more proactive defence policy, further shaking off -- with US encouragement -- its pacifist outlook in place since the end of World War II.

The change has drawn frequent rebukes from Beijing, which has accused Tokyo of following a reckless policy of "new militarism" that could destabilise the region.Japanese Defence Minister Shinjiro Koizumi hit back on Sunday, saying "nothing could be further from the truth"."Think about it. There is a country that has a huge arsenal of nuclear weapons and strategic bombers," Koizumi said at the annual Shangri-La Dialogue in Singapore."Japan has neither of such weapons. And yet, Japan is labelled (as) 'new militarism'. Isn't it strange?" he said, without mentioning China by name.China is thought to possess hundreds of nuclear warheads and has been rapidly developing its military in recent years.

A diplomatic spat between the Asian rivals has been rumbling since Takaichi suggested in November that

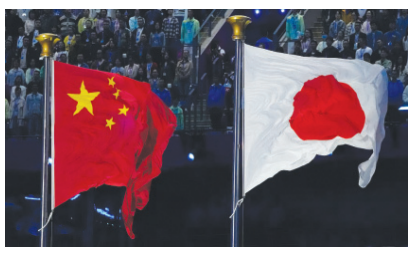

Japan might intervene militarily if China were to attempt to seize Taiwan, the self-ruled island that Beijing claims is part of its territory.Koizumi said that China was expanding its military capabilities "without sufficient transparency" and that its military activities were "a matter of serious concern for Japan".Tokyo would "steadily build up its defence capabilities and make continuous updates with a high degree of transparency", including in the fields of artificial intelligence, uncrewed systems as well as cyber and space defence, he said."Japan's past as a peace-loving nation has been valued by the region and by international community. This fact will not be shaken by false claims, because it is a fact," he said.In a meeting with his Philippine counterpart Gilberto Teodoro, the two countries confirmed that Japan would aim to transfer Abukuma-class destroyers and TC-90 aircraft to the Southeast Asian nation during Japan's fiscal year 2027, a Philippine statement said.Manila has been eyeing the Abukuma-class vessels -- which are being retired by Japan -- for some time, with the military sending a contingent to examine them in 2025.The countries have been deepening defence ties in the shadow of China's naval ambitions, announcing that they will discuss intelligence sharing and open maritime border talks condemned by Beijing as an "illegal" violation of its expansive territorial claims.The Shangri-La Dialogue is Asia's top defence forum, bringing together security officials and experts from about 45 countries.

US says it struck a commercial ship trying to breach blockade and reach

WASHINGTON. (Agency)

The U.S. military stopped a merchant vessel trying to break through its blockade of Iranian ports by firing a missile into its engine room, the U.S. Central Command said on Saturday.The Gambia-flagged cargo ship Lian Star ignored more than 20 warnings from U.S. forces overnight as it tried to enter an Iranian port, the military said. The ship remained adrift in the Gulf of Oman and U.S. forces have not boarded it, said a U.S. official with knowledge of the situation, speaking on condition of anonymity to discuss military operations.With the latest action, U.S. military has stopped six ships trying to breach the blockade. One was allowed to proceed. Another 116 ships have been redirected, the military said.The U.S. launched the blockade on April 17 in response to Iran effectively closing the strait after the war in the Middle East began with U.S. and Israeli strikes on Feb. 28. A fragile ceasefire has held since April 7. Now the region awaits word on whether a deal can be reached to extend it by 60 days while talks would be held on Iran's disputed nuclear program.Events in the Strait of Hormuz, a key waterway between Iran and Oman, have shaken the global economy. Shipments of significant amounts of oil, natural gas and related supplies like fertilizer are largely stranded, increasing the strain on consumers and food producers.The U.S. blockade seeks to limit Iran's own shipments and further weaken its access to cash, creating more pain for its long-weakened economy.U.S. President Donald Trump met with advisers on Friday but has yet to decide on whether to move ahead with a deal to extend the ceasefire and reopen the strait. Iran has said the deal had not been finalized.Commercial traffic has quietly continued to flow through the strait, despite Iran's assertions that it must approve any transits, though at a much lower volume than before the war.

"Any violation of these regulations will place the security of their passage at serious risk," Iran's joint military command said Saturday in a statement carried by state TV, warning that any military vessels trying to interfere with that would be targeted.Iran has even charged tolls for transit as high as $2 million, which experts have called a violation of a principle of international maritime trade: freedom of peaceful navigation.Qatar's deputy prime minister, Sheikh Saoud bin Abdulrahman bin Hassan bin Ali Al Thani, said on Saturday said that the Gulf nation opposes charging fees to transit, "but for certain times when they say they are going to use it for mine clearing or some usage of the fees for a temporary time, this is something that is negotiable, and it could be something that will help the transit of the Strait of Hormuz to be back to normal stage."

Calls to ban kirpan spark backlash from British Sikh groups after murder verdict

World. (Agency)

Some calls to ban the kirpan in the UK after the murder conviction of a man using a knife he claimed to carry for religious reasons "unfairly" targeted an entire community for the actions of a criminal, British Sikh groups have cautioned.

Vickrum Digwa, 23, was found guilty of fatally stabbing Henry Nowak, 18, with a 21-cm dagger last December and his mother, 53-year-old Kiran Kaur, was convicted of assisting an offender at Southampton Crown Court on Thursday.During the trial, Digwa had denied the murder charges and claimed to have used the knife he carried ceremonially in self-defence. The case threw the spotlight on the kirpan, with far-right groups such as the Restore Britain party calling for a ban.Calls to ban the kirpan in response to this murder risk unfairly targeting an entire community for the actions of a single criminal individual," the City Sikhs Foundation said in a statement.

"The actions of one individual can never and should never be used to define an entire faith community. The British Sikh community is one of the most well-integrated and law-abiding communities in the UK, with a proud history in this country spanning more than 160 years.

"The kirpan is a symbolic article of faith for Sikhs initiated into the Khalsa tradition. It is a constant reminder to Sikhs of the need to defend the most vulnerable in society, and it has been worn responsibly in Britain for generations," it said.The charity reiterated that it "utterly condemns" the horrific murder of Nowak and the individual responsible for the "appalling act"."We urge unity, calm and responsible public discourse at this very difficult time," it added.The murder trial highlighted the legal parameters around the Sikh community's right to carry a kirpan, with Judge William Mousley noting that under UK law such a bladed item must be for religious or self defence reasons."This is not a case about Sikhism. This is not a case about racism. This is a case about murder," prosecutor Nicholas Lobbenberg had told the jury before it found Digwa guilty of murder and possession of a bladed



article.Sikh Federation UK also condemned the "unlawful killing", which it feared had "unnecessarily stirred up community hatred"."We understand in this case the weapon that may have been used was not the normal kirpan worn by fully practising Sikhs. This nuance is critically important and may not have been explained or understood by those asked to give evidence in this case," the group stated."Now the trial is over we want to make absolutely clear the law only provides fully practising Sikhs with a defence under the law to wear a kirpan for religious reasons. If a kirpan or a bladed item is used aggressively in an act of violence, the defence under the law for a kirpan does not apply and it is deemed an offensive weapon," it added.The issue was compounded by the actions of the Hampshire and Isle of Wight Constabulary officers, who are now facing an Independent Office for Police Conduct (IOPC) probe for handcuffing the victim when they first arrived at the scene of the crime.the court heard that Digwa had alleged being racially threatened by Nowak and even denied that any weapon had been used. Once the severity of Nowak's condition became clear, the police removed the handcuffs and an ambulance was called.

"I am deeply sorry that in the moments he lost consciousness, he had been handcuffed and arrested," said Robert France, Temporary Deputy Chief Constable of the Constabulary.

NEWS BOX

Sachin Tendulkar's timeless advice for rising star Sooryavanshi after defeat vs GT

NEW DELHI. (Agency)

The cricketing world is talking about Vaibhav Sooryavanshi. The teenage sensation's six-hitting prowess has been relentlessly knocking on the doors of the Indian selectors, at this point, it is no longer a knock but a forceful push toward a historic India call-up.

Amid the growing clamour around the Rajasthan Royals star, Sachin Tendulkar offered a timeless piece of advice for the youngster as he continues his meteoric rise through the ranks. The cricket legend shared his thoughts after Sooryavanshi's record-breaking IPL 2026 campaign, which has propelled the Rajasthan Royals youngster into national-team conversations."I would tell him just be himself. There is always a first time, and in Test cricket, along with age, he will learn how to deal with various challenges," said Tendulkar at the ESPNcricinfo honours. "He looks like a player who is very confident and very sure of what he wants to do. I wouldn't want to play around with his natural instincts because the way he sees the ball and the way he responds to that is special. If that signal is interrupted by putting a lot of hurdles in between and telling him multiple things, that's where the real challenge would be."The 15-year-old's extraordinary season, highlighted by 776 runs and a string of breathtaking six-hitting displays, has made him one of the most



talked-about young cricketers in the country and earned him a place in the India A squad for the upcoming tri-series in Sri Lanka.

Tendulkar further emphasized that the youngster should be allowed to express himself freely at the crease while developing other aspects of his game over time.

"I would give him the freedom to go out and bat the way he does. Yes, along with time, he will learn to deal with other things and other challenges of the game," he added."I'm not a selector, but not just me, everyone would want to see him at some stage. I don't know when that is going to happen, but an exciting talent needs encouragement.

An IPL champion already, Virat Kohli remains the soul of RCB's title defence



CHENNAI. (Agency)

When Virat Kohli finally broke down on the field after Royal Challengers Bengaluru won their maiden IPL title last year, the tears carried the weight of nearly two decades. For years, the trophy had been the missing piece in a relationship that had come to define the Indian Premier League. Kohli had scored the runs, broken the records, carried the expectations and remained fiercely loyal to a franchise that repeatedly promised much but fell short when it mattered most.The image of Kohli in tears quickly became one of the defining moments of the 2025 IPL season because it represented far more than a title victory. It was relief. It was validation. It was the release of a burden that had followed both player and franchise for years. RCB's six-run victory over Punjab Kings finally ended the questions about whether Kohli would ever lift the IPL trophy in Bengaluru coloursTwelve months later, Kohli returns to an IPL final under very different circumstances. The trophy that once dominated every conversation around his IPL career is already in the cabinet. RCB is no longer chasing a breakthrough moment. They are chasing a second title in as many years.And yet, as Bengaluru prepares for another shot at history in Ahmedabad, there is something familiar about the moment. Kohli remains at the centre of it all. Not because he has unfinished business with the IPL, but because no player has come to represent a franchise quite the way he has represented RCB.

THE MAN WHO NEVER LEFT

The IPL has changed dramatically since it began in 2008. Teams have been dismantled and rebuilt, superstars have switched franchises, and entire dressing rooms have been transformed through auctions and trades.

The FIFA World Cup is coming. India still doesn't know where to watch it

Every four years, the FIFA World Cup turns India into a football-crazy nation, regardless of whether the national team is playing. Yet with kickoff around the corner, millions of fans found themselves waiting not for fixtures, but for a broadcaster.

New Delhi. (Agency)

Not hope of watching India playing in the FIFA World Cup, that dream is sitting separately somewhere.The hope of India enjoying the FIFA World Cup.For one month, the FIFA World Cup turns parts of India into little pockets of the footballing world. Streets fill with flags, jerseys to office after a messed up sleep schedules, everything is granted.Even your uncle who hasn't watched a single minute of club football all year suddenly becomes a tactical expert. He won't know who's top of La Liga, but he will absolutely ask for the Argentina score, stay up until 3:00 AM for a knockout match, and debate Messi vs. Ronaldo over morning chai.In a cricket-obsessed nation, the World Cup is football's reminder that India may not be part of the tournament, but it absolutely belongs to the audience.Which is why the uncertainty surrounding the FIFA World Cup 2026 broadcast rights has felt so bizarre.And, for many supporters, insulting.Not because Indian fans genuinely believe they will be left without a broadcaster when the tournament kicks off on June 11. Most understand that a deal will eventually happen. In fact, reports suggest Zee is now closing in on an agreement worth around USD 30-35 million, with an announcement potentially arriving within days.The frustration comes from something deeper.

Football fans can see where this story is heading.They know that this whole chapter will leave a mark. They have seen it all before.Almost everyone has started predicting the implications beyond this World Cup.And once again, the people left waiting are the fans.**WHAT A WORLD CUP MEANS TO INDIA**

Football fandom in India has always been a fascinating contradiction.The country has never played at a FIFA World Cup. The



domestic ecosystem remains terribly fragile along with the national team sitting miles away from football's biggest stage.Yet every four years, India behaves like a country that belongs at the tournament.Kolkata is perhaps the most famous example. During World Cup season, the city transforms into a football carnival. Entire neighbourhoods split themselves into Argentina and Brazil camps. Giant cut-outs of Messi, Neymar and Cristiano Ronaldo appear on roadsides. Local club rivalries are temporarily paused as supporters rally behind their adopted international teams.Then down in Mallapuram, where Argentina banners already line the roads.All of these examples are also reasons why the current situation feels so strange.Because while fans are preparing for the biggest World Cup in history, the business side of football has spent months arguing over who gets to show it.

THE NUMBERS WHICH STARTED THE WAR

The story gets way more frustrating the moment you follow the money.

What should have been a normal corporate paperwork exercise slowly turned into a massive, very public game of boardroom chicken. This mess left one of FIFA's most obsessed markets completely stranded without a confirmed broadcaster just days before the opening match.

Miami's Haitian community celebrates the country's first World Cup berth in 52 years

MIAMI. (Agency)

Members of Miami's Haitian community pressed against a stage on a rainy Saturday to cheer on forward Duckens Nazon, defender Martin Experience and other members of the country's national soccer team ahead of a pair of friendly matches next week.For a few hours, nothing else mattered for the soccer-loving people of the troubled Caribbean country, which is playing in the World Cup for the first time in 52 years."We will show that we are united, no matter what," Nazon said in Creole, standing in front of a large Haitian flag commemorating Haitian Heritage Month, which is celebrated every May in the U.S."I want for this World Cup to be the beginning of a new Haiti," he said.

Since qualifying for the World Cup for only the second time in the country's history, players have vowed to represent hope and joy for the nation, which has been beset by crisis and instability.That pride was on display Saturday at an art museum in North Miami, which houses one of the largest Haitian populations in the United States.

Fans draped themselves in Haitian flags and danced to upbeat compas music while children kicked around soccer balls at the small meet-and-greet.Many were in awe at seeing their country reach soccer's biggest stage again."At my age, I've listened and read about Haiti being in the World Cup in



the 70s but never got a chance to see them play," said 49-year-old Odeline Paul, who has lived in Miami since she was 13. "It is such an amazing event to be here, at least to meet them, and to bring my son to be in this moment."Paul said she won't be able to attend any of Haiti's matches. Tickets are too expensive for her to go in person — a dilemma that many soccer fans are running into — but she'll attend one of the watch parties happening in Miami.

She brought her son to Saturday's event so he could learn about Haiti and its tense history.

"To teach about the culture, to teach about what it took for us to be in the World Cup. Now to make it, no words can describe the feeling," Paul said."We are a people of resilience. It doesn't matter how many times we fall," she added. "We always get up. And that's my country."The euphoria of the historic moment — Haiti's only other World Cup appearance was at the 1974 tournament in West Germany — has been amid the backdrop of the violence, hunger and homelessness that the country is grappling with.Armed gangs control up to 90% of its capital, Port-au-Prince, where the team's home stadium is located, forcing Haiti to play its "home" World Cup qualifiers in the tiny Dutch Caribbean island of Curaçao. And a U.S. visa for the squad's only Haiti-based player has yet to come through as the administration of President Donald Trump continues to expand travel restrictions from countries including Haiti.

IPL final RCB vs GT preview: Bengaluru chase era-defining sequel in Ahmedabad

NEW DELHI. (Agency)

If you had ventured near the concrete colossus of the Narendra Modi Stadium on Saturday, you would have been forgiven for believing the first ball was mere minutes away. Long before the floodlights could whisper into the fading twilight, a restless sea of red had already swallowed the concourses.

The IPL 2026 final between Gujarat Titans and Royal Challengers Bengaluru will start at 7 pm. Star Sports will telecast the final while livestreaming will be on JioHotstar in India.The air carried a rhythmic, almost desperate incantation that rose above the hum of the highway: "RCB, RCB." Beneath the scorching sun, vendors did not need to pitch their wares; only one currency mattered, and only one name was stitched across a thousand backs: Kohli, 18. Media crews hovered around the main gates like digital scavengers, hunting for the raw euphoria of fans who had arrived with nothing but a smartphone, a pocketful of hope, and a desperate prayer for a stray ticket.In November 2023, this very amphitheatre hosted



a World Cup final between India and Australia. Yet, that historic afternoon felt strangely sterile by comparison. National pride is a duty; franchise tribalism, it seems, is a romance.What lingered outside the gates was a profound sense of vindication. For nearly two decades, to wear this red jersey was to invite ridicule, enduring a cruel economy of internet memes as the league's tragic, brittle romantics. Last year's triumph broke that curse, proving that while global popularity is an intoxicating drug, it cannot buy the cold, heavy metal of silverware.But if 2025 was about relief, 2026 is about a coup. The hundreds who painted Ahmedabad red are no longer content with a solitary miracle; they are here to witness an era-defining sequel. They have returned to permanently rewrite their historical DNA, demanding a permanent seat at the high table of the IPL's true aristocracy alongside Chennai and Mumbai.THE CALM WITHIN THE STORMWhile the tarmac outside throbbed with impatient energy, the atmosphere inside the press briefing room felt strangely detached from the looming hysteria.

Arne Slot fired as Liverpool manager a year after winning Premier League title

BUDAPEST. (Agency)

Liverpool fired manager Arne Slot on Saturday following a troubled second season in charge, just a year after he won the Premier League title.Fenway Sports Group, the club's American ownership, said it made a "difficult" decision after Liverpool finished fifth and trophy-less in a disappointing title defense.

"We have collectively come to the conclusion that change is necessary in order for the club to keep moving forward," the ownership said in a statement. "Again, it must be stressed that this is not a decision which has been reached lightly, anything but."

Slot replaced club icon Jurgen Klopp in the summer of 2024 and led Liverpool to a record-tying 20th English league title.

Liverpool spent an unprecedented $570 million to strengthen the squad for his second season but most of the expensive signings, including Florian Wirtz, Jeremie Frimpong and injury-hi striker Alexander Isak, underwhelmed.The club also was affected by the death of Portugal forward Diogo Jota last summer.



A person with knowledge of the situation told The Associated Press that the decision did "not sit easily" with Liverpool and "on a human level" did not "feel entirely fair."The person spoke on condition of anonymity because the club had already issued a public statement.The person said it was increasingly inevitable that a change of coach was required and it was better to act sooner to avoid disrupting preparations for next season.The process to assess Slot's replacement has begun, with Liverpool seeking a manager who will play a more "aggressive and urgent" style of soccer. Andoni Iraola, the Spanish coach who left Bournemouth at the end of this season, would fit that description and is the frontrunner to come in.Slot, 47, appears to have paid the price for failing to emulate a debut campaign that exceeded expectations.

Roland Garros Day 8 Order of Play: Djoker-slayer Fonseca back for 4th round and more

Day 8 of Roland Garros brings massive fourth-round matches to Paris. Top seeds Alexander Zverev and Iga Swiatek look to dominate, while teen star João Fonseca faces Casper Ruud under the lights.

Paris. (Agency)

Day 8 of Roland Garros brings massive fourth-round matches to Paris. Top seeds Alexander Zverev and Iga Swiatek look to dominate, while teen star Joo Fonseca faces Casper Ruud under the lights.The action starts at 2:30 PM IST on Court Philippe-Chatrier



with world No. 3 Iga Swiatek facing a tough challenge from 15th seed Marta Kostyuk. Swiatek wants to control the clay, but Kostyuk's aggressive play makes this an exciting opener. Next on the main court, 7th seed Elina Svitolina faces the experienced Belinda Bencic in a close battle of top-15 players.The afternoon session ends with second seed Alexander Zverev facing Jesper De Jong, scheduled for not before 3:30 PM IST. Zverev is a heavy favorite to move forward, but De Jong is playing with great confidence and will look to cause a major upset on the clay.The biggest match of the day happens under the lights, starting not before 8:15 PM IST. Fresh off his stunning upset over Novak Djokovic, teen star and 28th seed Joo Fonseca takes on 15th seed Casper Ruud. Ruud is a proven clay-court specialist and former finalist, but he faces a massive test against Fonseca's fearless, attacking game.Over on Court Suzanne-Lenglen, the future of the women's game takes center stage as 8th seed Mirra Andreeva plays Jil Teichmann. That match is followed by a hard-hitting men's battle between Czech youngster Jakub Mensik and 11th seed Andrey Rublev.Meanwhile, doubles play heats up on Court Simonne-Mathieu. India's Yuki Bhambri partners with Alexander Panov to take on the 4th-seeded mixed doubles team of Desirae Krawczyk and Neal Skupski, aiming for a spot in the next round.



Poonam Pandey

Requests All Not To Abuse Her: 'Main Bhi Insaan Hu, Gaali Mat Do Yaar'

Poonam Pandey has dropped an emotional video on Instagram. On Friday, the controversial personality took to the social media platform and shared a clip in which she was seen talking about the constant judgment and criticism she faces online. She urged everyone not to abuse her and got emotional, saying, 'main bhi insaan hu yaar'.

"I was feeling a little emotional, socha aap se ek choti si request kar lu… I can't take so much. Mein bhi insaan hoon; mein iss industry mein 14 saal pehle aayi thi, kaam maangne aayi thi, kaam dhund rahi thi. Tabhi bhi dhund rahi thi, aaj bhi dhund rahi hoon. I still push myself ki mein aisa kya karu ki log mujhe notice karein aur kaam de. Theatre karti hoon," Poonam said.

"I am pushing myself jitna mera limit bann sake. Just stop judging; agar aapko meri backstory nahi pata hai, at least gaali mat do yaar. Meine kabhi kisi ko gaali di nahi hai, mujhe gaali mat dijiye. Mein aap se request karti hoon," the actress added.



Why Is Poonam Pandey Often Trolled?

Over the years, Poonam Pandey has become synonymous with controversies and is often trolled online. Recently, the actress faced criticism after she seemingly soft-launched her boyfriend on social media. She dropped a series of romantic pictures with a mystery man but did not reveal his face. However, soon after the photos were shared, netizens claimed that it must be another of her publicity stunts.

Prior to this, in April, the actress dropped another set of pictures in which she was seen flaunting her baby bump. However, she soon revealed that it was an April Fool's prank. Back then too, Pandey was heavily trolled online.

While talking about Poonam Pandey and trolling, how can one forget about her shocking 2024 fake death stunt? She faked her death to create awareness around cervical cancer. However, she was massively trolled for stooping so low for publicity. Her team claimed she died from cervical cancer via her official Instagram account on February 1, 2024. On February 2, 2024, Poonam said it was a publicity stunt, done for a "good cause" aimed at raising awareness about the disease, which stirred significant controversy.



Kiara Advani

Reveals How Sidharth Malhotra Helped Her Manage Home After Marriage: 'No One Prepares You...'

Kiara Advani has opened up about the emotional, physical and deeply personal changes that motherhood has brought into her life. From walking the Met Gala red carpet while seven months pregnant to dealing with postpartum guilt, sleepless nights and the pressure of returning to normalcy after childbirth, the actor says becoming a mother has changed her in ways she could never have fully imagined.In a conversation with Bombay Times, Kiara spoke candidly about the lesser-discussed side of motherhood. The actor, who is seven-and-a-half months postpartum, said that while people often celebrate the joy of having a child, very few truly prepare women for the emotional chaos that follows.

Kiara Advani On Motherhood And Postpartum Chaos

Kiara said marriage changed her life overnight, but motherhood has been an even bigger transition. The actor shared that she had lived with her parents until she got married, so managing a home after marriage was a completely new experience for her.

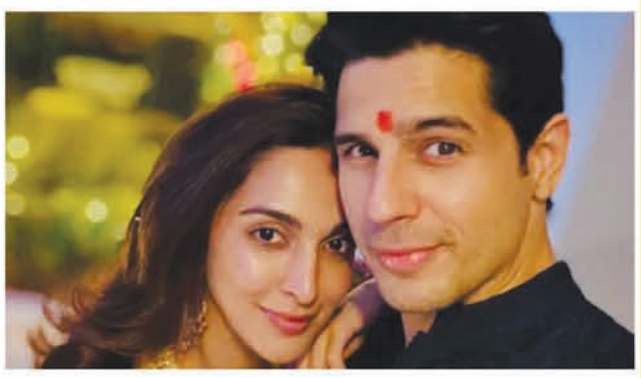

She said, "I lived with my parents until I got married, so life changed overnight. Running a home was a completely new responsibility for me. There was no longer a 'Mumma, please make this.' Fortunately, Sid had been living independently for years.

I always joke that I was lucky to have him because he taught me so many things about managing a home and living independently. That was an interesting transition for me. Now, as a mother, it's a whole new ball game. I'm still learning."

Kiara added that nothing truly prepares a woman for the physical and emotional changes that come after childbirth.She said, "I don't think people prepare you for the chaos that comes with motherhood. I am now seven-and-a-half months postpartum and can probably joke about some things with my friends who already have children, saying, 'You didn't prepare me for this' or 'You didn't prepare me for that.' But I think it is such an individual journey. No one talks about the chaos or the guilt you feel."The actor explained that the initial chaos is often internal because the body is going through major biological changes.

Jeena Dil Se Review: A Light-Hearted Entertainer Backed By A Fresh Cast And Feel-Good Moments



Jeena Dil Se feels like the kind of film that does not try too hard to be complicated. It embraces its colourful, loud, feel-good energy and sticks to what it promises – entertainment. Directed by Adhish Rana, the movie keeps things light, youthful and easy to enjoy, making it the sort of family-friendly entertainer you can simply sit back and have fun with.

What works surprisingly well is the ensemble cast. With around 15 major characters woven into the story, the film could easily have turned messy, but the screenplay keeps things moving smoothly. Almost every character gets a moment to shine, whether through comedy, emotional scenes or dramatic twists, and that helps the film maintain its energy throughout.Despite featuring relatively fresh faces, the cast delivers performances that feel sincere and easy to connect with. Lakshya Handa brings confidence to his role while also handling the emotional moments with restraint. Kunal Chhabra adds much of the film's lighter energy, with his comic timing working naturally in several scenes without feeling overdone. Ruma Sharma stands out particularly in the emotional portions, bringing warmth and sensitivity to her character.

What also works in the film's favour is the chemistry between the characters. Whether in scenes of friendship, romance or group interactions, the performances feel comfortable and believable, which helps the relationships on screen come across organically.

At the same time, the film does stay within a fairly familiar space narratively. Parts of the screenplay feel predictable and the storytelling occasionally maintains the same emotional tone for a little too long.

The film also scores well visually. The bright frames, lively settings and colourful presentation match the upbeat tone perfectly. The humour feels simple and relatable instead of forced, which makes many of the funny moments land naturally. At the same time, the emotional portions.

'I Used To Roam Around Carrying His Photos': Jackie Shroff Recalls Salman Khan's Debut Journey



Salman Khan does not need any introduction. The actor continues to rule on fans hearts with his performances and looks. Well, recently Jackie Shroff revealed an interesting story about how he helped Salman Khan land his first film in Bollywood. The actor recalled carrying Salman's photographs to filmmakers and producers long before the actor became one of the biggest stars in the country.

In a conversation with India Today, Jackie Shroff revealed how he helped Salman bag his first film. "I got Sallu Baba his first film, Biwi Ho Toh Aisi. But it was Maine Pyaar Kiya that came later and turned him into a star. I saw his pictures on the sets and thought he was very handsome. So, I took his photo to Subhash Ghai ji, but he said no. Then I took it to KC Bokadia, who told me to show it to his brother-in-law, and that's how Salman got the role. I used to roam around carrying his photos everywhere,' the actor said.The actor is all geared up for the release of his upcoming movie The Great Grand Superhero on 29th May. The movie's teaser that released recently hinted at a world where a child's imagination takes the grandfather-grandson relationship to another level with a unique thrill of aliens! At the heart of it is Jackie Shroff, in a role that feels deeply warm and refreshingly different. Directed by National Award-winner Manish Saini, the film brings together an ensemble cast including Prateik Smita Patil, Bhagyashree Dasani, Sharat Saxena, Mihir Godbole, Durgesh Kumar, Saharsh Shukla, Shivansh Chorge, and Kumar Saurabh. 29th May 2026, see you at the movies. For the uninitiated, Jackie Shroff has been a part of Bollywood for over four decades.

The actor will be next seen in Maatrubhumi. Recently, Subhash Ghai shared his first reaction after watching the rough cut of upcoming film, directed by Apoorva Lakhia. The filmmaker praise the emotional war drama and called it a "must watch film." After watching the rough cut, , Subhash Ghai took to his X handle and wrote, "so beautiful to see my favourite directors together@food square today to watch a rough cut of a Apoorva lakhiya film MATRI BHUMI@ starring #salman khan based on a warm story of indo china soldiers with their respective emotions for their nations n families. A must watch film". He also shared photo with the cast which immediately went viral.